हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 13 अंक : 17 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 04 जुलाई, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 8

शहीद भूपेंद्र नेगी की अश्रुपूरित विदाई बहादुर बेटे की याद में रो पड़ा पूरा गांव

3

सीएम धामी ने बाढ़ सुरक्षा के कामों में तेजी लाने के लिए दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 04 जुलाई : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में सिंचाई विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि शहरों के मास्टर ड्रेनेज प्लान तथा फ्लड प्लैन जोनिंग के कार्यों में तेजी लाई जाए। जल स्तर बढ़ाने के लिए बांधों से सिल्ट निकालने और ड्रेजिंग सिस्टम के लिए 02 माह के अन्दर ठोस प्लान बनाकर प्रस्तुत किये जाने के साथ पिंडर और कोसी नदी को आपस में जोड़ने के लिए राज्य स्तर पर की जाने वाली सभी कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गंगा और उसकी सहायक नदियों में शुद्ध पानी जाए, इसके लिए ऐसे नाले भी चिन्हित किये जाए जहां एसटीपी नहीं लगे हैं। घाटों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ सुरक्षा के कार्यों में तेजी लाई जाए। पर्वतीय क्षेत्रों में सिंचाई सुविधा बढाने तथा नहरों के अनुरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्देश दिये कि जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना और सौंग बांध पेयजल परियोजना पर कार्य जल्द शुरू हो, इसके लिए सितम्बर तक सभी कार्यवाही पूर्ण की जाए। जमरानी बांध परियोजना के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 710 करोड़ रूपये के बजट का प्राविधान किया गया है। इस परियोजना से हल्द्वानी शहर एवं उसके समीपवर्ती क्षेत्रों में 117 एम.एल.डी पेयजल की उपलब्धता, लगभग 57 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता का सृजन किया जायेगा जबकि सौंग बांध परियोजना से देहरादून शहर एवं उपनगरीय क्षेत्रों के लिए 2053 तक की अनुमानित आबादी के लिए 150 एम.एल.डी. ग्रविटी से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जायेगी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में सौंग बांध के लिए 300 करोड़ के बजट का प्राविधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि नैनीताल जनपद के बलियानाला भूस्खलन क्षेत्र का उपचार कार्य, चमोली जनपद के हल्दापानी लॉ कॉलेज के निकट भूधसांव और भूस्खलन की रोकथाम के लिए सुरक्षात्मक कार्य और पिथौरागढ़ के धारचूला विकासखण्ड में ग्वालगांव भूस्खलन उपचार के कार्य जल्द पूर्ण किये जाएं।

बैठक में जानकारी दी गई कि स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने, पर्यटन विकास मत्स्य पालन एवं भू जल संवर्द्धन लिए पिथौरागढ़ में थरकोट झील, चम्पावत में कोलीढ़ेक झाल अल्मोड़ा में गगास नदी पर जलाशय का निर्माण किया गया है। धारचूला में काली नदी पर स्थित घटगाढ़ नाले से भारत-नेपाल पुल तक तटबन्ध सुदृढ़ीकरण का कार्य किया गया है। राज्य के 14 महत्वपूर्ण शहरों में ड्रेनेज प्लान पर कार्य किया जा रहा है, देहरादून का सर्वे पूरा कर लिया गया है। बैठक में उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण परिषद विश्वास डाबर, मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, डॉ. आर. राजेश कुमार, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मौसमपूर्वानुमान : उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश का रेड अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तराखंड में पांच जुलाई तक भारी बारिश के आसार हैं। आईएमडी ने उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में 3 से पांच जुलाई तक तेज हवाओं के साथ भारी से ज्यादा भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के ताजा अपडेट के मुताबिक, दक्षिण-पूर्वी पाकिस्तान पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इसके प्रभाव से अगले 5 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं दक्षिण पश्चिमी मानसून ने भी देश के अधिकांश हिस्सों को कवर कर लिया है। इन वेदर सिस्टम के प्रभाव से उत्तराखंड में मौसम बेहद खराब रहने वाला है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग का कहना है कि उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में सात जुलाई तक मौसम बेहद खराब रहेगा। मौसम विभाग ने 3 से लेकर 6 जुलाई तक भारी से ज्यादा भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी का कहना है कि सात जुलाई को भी उत्तराखंड में मौसम कमोबेश भारी बारिश वाला ही रहेगा। मौसम विभाग ने उत्तराखंड में सात जुलाई को भारी से ज्यादा भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।आईएमडी ने लोगों से फ्लैश फ्लड वाली खतरनाक जगहों से बचने की सलाह दी है।

मौसम विभाग के मुताबिक, गंगोत्री और यमुनोत्री में तीन से सात जुलाई के दौरान तूफानी हवाओं के साथ भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं बदरीनाथ और हेमकुंड साहिब में अगले 24 घंटे के दौरान तेज हवाओं के साथ भारी से ज्यादा भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बदरीनाथ और हेमकुंड साहिब में चार जुलाई से सात जुलाई के दौरान मध्यम से भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। केदारनाथ में भी सात जुलाई तक भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तराखंड को कोयला आपूर्ति हेतु भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई सैद्धांतिक स्वीकृति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अनुरोध पर विद्युत मंत्रालय भारत सरकार द्वारा यूजेवीएन लिमिटेड एवं टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के संयुक्त उपक्रम को कोयला आधारित तापीय बिजली संयंत्र की स्थापना हेतु सैद्धांतिक सहमति प्रदान कर दी गई है।

इस संबंध में मुख्यमंत्री द्वारा शक्ति नीति के अंतर्गत अप्रैल 2024 में कोयला आवंटन हेतु भारत सरकार को अवगत कराया गया कि राज्य सरकार अपने सार्वजनिक उपक्रम यूजेवीएन लिमिटेड के अतिरिक्त टीएचडीसी एवं यूजेवीएन लिमिटेड के संयुक्त उपक्रम के माध्यम से भी कोयला आधारित तापीय विद्युत संयंत्र की स्थापना की इच्छुक है। इसी क्रम में केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा भी उत्तराखंड राज्य को शक्ति नीति के अंतर्गत 1320 मेगावाट तापीय विद्युत उत्पादन के प्रयोजनार्थ कोयला आपूर्ति हेतु प्रबल संस्तुति की गई थी।

इसी क्रम में उत्तराखंड सरकार द्वारा टीएचडीसी तथा यूजेवीएन लिमिटेड के संयुक्त उपक्रम के माध्यम से तापीय विद्युत संयंत्र स्थापना पर सहमति जताई गई। शक्ति नीति के अनुसार कोल इंडिया लिमिटेड केंद्र एवं राज्य सरकारों की उत्पादन कंपनियों तथा उनके संयुक्त उपक्रमों को अधिसूचित दरों पर कोयला आपूर्ति की अनुमति दे सकती है। इसी क्रम में टीएचडीसी तथा यूजेवीएन लिमिटेड के संयुक्त उपक्रम द्वारा कोयला आवंटन हेतु आवेदन किया जाना प्रस्तावित किया गया था। कोयला आवंटन के उपरांत उत्पादित होने वाली विद्युत से राज्य की विद्युत व्यवस्था में निश्चित ही सुधार होगा।

सीधा ही नहीं बल्कि उल्टा दौड़ने के भी हैं कई फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जुलाई : सेहतमंद रहने के लिए लोग नए नए तरीके अपनाते रहते हैं जिसमें से वॉक करना सबसे फायदेमंद और आसान माना जाता है. दरअसल, वॉक करने के लिए आपको किसी जिम में मेंबरशिप लेने की जरूरत नहीं पड़ती है न ही आपको कोई और फिजूल जगहों पर खर्च करना पड़ता है. इसके फायदे पाने के लिए आपको बस एक तय समय चुनना पड़ता है. आमतौर पर आपने लोगों को सीधा वॉक करते ही देखा होगा लेकिन उल्टा वॉक करना भी अपने आप में बहुत फायदेमंद है. फिट और हेल्दी रहने के लिए आप रोजाना उल्टा वॉक भी कर सकते हैं. आजकल के व्यस्त लाइफस्टाइल में लोगों के पास एक्सरसाइज करने का समय नहीं होता है, ऐसे में आप

उल्टा वॉक कर सकते हैं. वेट लॉस से लेकर हेल्दी रहने के लिए आप रोजाना अपने रूटीन में उल्टा वॉक करना शामिल करें।

वॉकिंग एक बेहद फायदेमंद एक्टिविटी है जो आपको फिजिकली फिट रखने में मदद करता है. रोजाना कुछ स्टेप्स चलने से आपको कई सारे फायदे हो सकते हैं. लेकिन इसके साथ साथ आपको बैकवर्ड वॉकिंग भी अपनाना चाहिए. आइए सबसे पहले जानते हैं क्या है बैकवर्ड वॉकिंग और क्या हैं इसके फायदे.

क्या होता है बैकवर्ड वॉकिंग?

बैकवर्ड वॉकिंग के बारे में फिलहाल बहुत कम लोग ही जानते हैं, हालांकि फिट रहने का ये एक बेहतरीन तरीका है. बैकवर्ड वॉकिंग का सीधा मतलब होता है उल्टा चलना. उल्टा चलने में अलग अलग मांसपेशियों का इस्तेमाल होता है. इससे बॉडी को बैलेंस करने में मदद मिलती है साथ ही इससे आपका बैलेंस और कोर्डिनेशन भी बेहतर होता है. आइए जानते हैं उल्टा चलने के क्या फायदे हैं।

उल्टा चलने से मिलते हैं ये फायदे

1.मांसपेशियां होती है मजबूत

उल्टा चलना एक ऐसी एक्टिविटी है जिसके जरिए, शरीर में ऐसी मांसपेशियां जैसे हैमस्ट्रिंग और ग्लूट्स शामिल होती हैं, जिन्हें अक्सर सामान्य वॉक के दौरान अनदेखा कर दिया जाता है. इस तरह इन सभी मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद मिलती है.

2.जोड़ों के दर्द में आराम

सीधा चलने के मुकाबले उल्टा चलने के ज्यादा फायदे होते हैं. उल्टा चलने से अक्सर आपको जोड़ो के दर्द से आराम मिलता है. इसके साथ साथ अगर आपको कोई पुराना चोट का दर्द सताता है तो इससे आपको आराम मिल जाता है।

3.कैलोरी बर्न करने में भी मिलती है मदद

उल्टा चलने की वजह से आपकी मांसपेशियां ज्यादा काम करती हैं जिस वजह से कैलोरी बर्न करने में ज्यादा मदद मिलती है।

बारिश में ये जगहें हो जाती हैं और खूबसूरत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जुलाई : राजस्थान न सिर्फ अपनी संस्कृति बल्कि ऐतिहासिक इमारतों से भी टूरिस्ट को अट्रैक्ट करता है. यहां कई ऐतिहासिक धरोहर है जो यूनेस्को की हेरीटेज साइट लिस्ट में आती हैं और भारत सरकार द्वारा संरक्षित हैं. यहां कुछ स्मारक तो भारत के सबसे खूबसूरत धरोहरों की सूची में आते हैं. भले ही राजस्थान एक गर्म क्षेत्र है पर मानसून के दौरान इसकी नेचुरल ब्यूटी और बढ़ जाती है. राजशाही ठाठ और संस्कृति के लिए प्रसिद्ध राजस्थान की कुछ जगह मानसून में ज्यादा खूबसूरत और अट्रैक्टिव नजर आती है।

इस राज्य के शहर उदयपुर, जोधपुर, जयपुर और जैसलमेर में सिर्फ भारतीय नहीं विदेशी सैलानियों का भी तांता लगा रहता है. विदेशी पर्यटक समेत लोकल टूरिस्ट भी यहां की शाही मेहमान नवाजी का लुत्फ उठाने के लिए आते हैं. यहां हम आपको राजस्थान की चर्चित मानसून टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

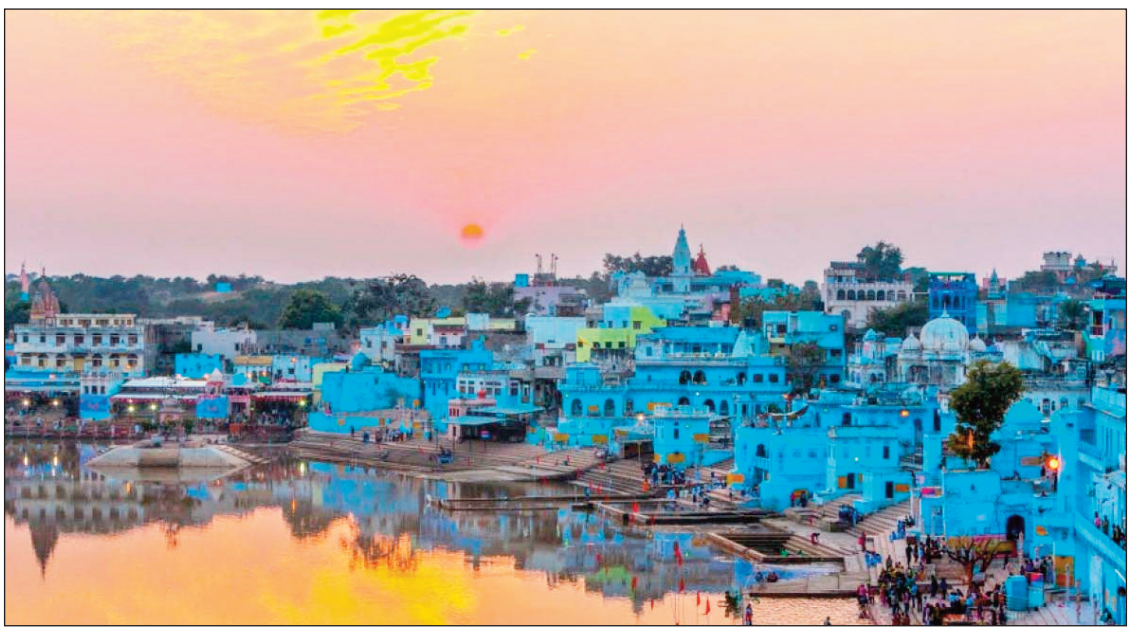

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में मौजूद चित्तौड़गढ़ बारिश के समय हरियाली से घिर जाता है. एक समय में ये सत्ता का केंद्र हुआ करता था. कहते हैं कि मौर्य वंश के शासकों ने इसे बनाया था लेकिन इसके निर्माण को लेकर कई तरह के विवाद भी हैं. इस किले को देखने के अलावा आप यहां भैंसरगढ़ वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी में भी ट्रिप को एंजॉय कर सकते हैं. ये भी राजस्थान की टॉप टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स में से एक है. इस किले में गौमुख कुंड भी है जो बरसात में और ज्यादा अट्रैक्टिव हो जाता है. ये एक धार्मिक स्थल भी है क्योंकि यहां शिवलिंग भी स्थापित है. सालों साल यहां पानी भरा रहता है और हरियाली से घिरी इस जगह की नेचुरल ब्यूटी बेहद अट्रैक्टिव लगती है। इसे राजस्थान की हनीमून डेस्टिनेशन भी कहा जाता है. राजस्थान में घूमना हो तो माउंट आबू जरूर जाना चाहिए. बारिश के दौरान ये जगह किसी जन्नत से कम नहीं लगती है. कहते हैं कि बारिश में इसकी खूबसूरती देखने लायक होती है. यहां की झील का पानी और वातावरण किसी को भी अपना दीवाना बना सकता है. आप यहां दिलवाड़ा जैन मंदिर, रॉक व्यू प्वाइंट और दूसरी जगहों का दीदार कर सकते हैं।

नेचुरल ब्यूटी से घिरा बूंदी बारिश के दौरान फेवरेट ट्रैवल डेस्टिनेशन की लिस्ट में आ जाता है. रिमझिम बारिश के बीच अद्भुत जगहों को देखना चाहते हैं तो आपको बूंदी का रुख करना चाहिए. आप यहां बूंदी पैलेस के अलावा तारागढ़ किला भी देख सकते हैं। राजस्थान का पुष्कर झीलों के लिए फेमस है और मानसून के समय इन झीलों का नजारा ट्रिप को यादगार बना देता है. रिमझिम बारिश के बीच नेचुरल ब्यूटी को देखने की बात ही अलग होती है. आप यहां ऊंट की संवारी कर सकते हैं. बारिश के सीजन में पुष्कर की यात्रा करके आप जन्नत की फीलिंग ले सकते हैं।

जुलाई से सितंबर के बीच इन जगहों पर Trekking का मजा हो जाता है दोगुना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जुलाई : मानसून के आते ही लोगों को तपती धूप से राहत मिल जाती है, ऐसे में हर कोई कहीं न कहीं घूमने का प्लान जरूर करता है. वहीं एडवेंचर का शौक रखने वाले लोग इस मौसम में ट्रेकिंग पर जाना बहुत ज्यादा पसंद करते हैं. लेकिन ट्रेकिंग के लिहाज से देखा जाए तो ये मौसम बेहद रिस्की माना जाता है. इस मौसम में हिल स्टेशन घूमने का प्लान अपने आप में खतरे से खाली नहीं है. लगातार बारिश होने की वजह से यहां रास्ते टूट जाते हैं, पहाड़ों में भी दरार आने की संभावना बनी रहती है. वहीं कई जगहों पर तो बाढ़ की भी स्थिति बन जाती है. लेकिन इसके साथ साथ भारत में कुछ ऐसी जगहें भी हैं जहां घूमने का मजा बरसात में ही आता है. इन सभी जगहों पर आप ट्रेकिंग कर सकते हैं. ट्रेकिंग के दौरान आप यहां के सुंदर नजारे, हरे भरे पहाड़ देख सकते हैं. आइए जानते हैं मानसून में आप किन जगहों पर ट्रेकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं।

फूलों की घाटी, उत्तराखंडजुलाई से सितंबर के महीने को फूलों की घाटी एक्सप्लोर करने का सबसे बेस्ट टाइम माना जाता है. इस दौरान यहां एक साथ कई वैरायटी के फूल आप देख सकते हैं. उत्तराखंड के चमोली में स्थित फूलों की घाटी वर्ल्ड हेरिटेज साइट की लिस्ट में भी शामिल है. यहां आपको करीब 500 प्रकार के

फूल देखने को मिल जाएंगे. इस साल 1 जून से फूलों की घाटी पर्यटकों के लिए खोल दी गई है. आप 30 अक्टूबर तक फूलों की घाटी घूम सकते हैं, इसके बाद ये पूरे साल के लिए बंद कर दिया जाता है.सिंहगढ़ ट्रेक, पुणेमानसून में घूमने के लिहाज से मुंबई को सबसे बेस्ट माना जाता है. वैसे तो पूरे साल यहां का मौसम सुहाना ही रहता है लेकिन मानसून के दौरान यहां का मौसम और भी खुशनुमा हो जाता है. यही वजह है कि मानसून में अधिकतर लोग मुंबई, पुणे जैसी मैदानी जगहों को एक्सप्लोर करना पसंद करते हैं. वहीं अगर आप ट्रेकिंग करने के शौकीन हैं तो पुणे के सिंहगढ़ दुर्ग ट्रेकिंग को आपको बिल्कुल मिस नहीं करना चाहिए. यह ट्रेक कुल 3 किलोमीटर लंबी है जिसे पूरा करने में आपको एक घंटे का समय लग सकता है.मुल्लायानगिरी, कर्नाटककर्नाटक का मुल्लायानगिरी ट्रेकिंग के लिहाज से बेहतरीन माना जाता है, यह कर्नाटक की सबसे ऊंची चोटी पर स्थित है. वैसे तो यहां हर साल पर्यटक आते जाते रहते हैं लेकिन मानसून के दौरान यहां पर्यटकों की संख्या दोगुनी हो जाती है. यह ट्रेकिंग लगभग 10 किलोमीटर लंबी है जिसके दौरान आप कैंपिंग और रॉक क्लाइंबिंग का भी मजा ले सकते हैं।

यहां रोबोट ने कर ली 'आत्महत्या', सीढ़ियों से कूदकर दे दी जान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जुलाई : इंसानों की तरह दिखने वाले रोबोट्स के बारे में कहा जाता है कि उनमें कोई भावनाएं नहीं होती हैं. लेकिन साउथ कोरिया में हाल ही में हुए एक वाकये ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है, क्योंकि यहां एक रोबोट ने काम के दौरान सीढ़ियों से कूदकर 'खुदकुशी' कर ली. सोशल मीडिया पर यह खबर चर्चा का विषय बनी हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण कोरिया के गुमी सिटी काउंसिल में सिविल सर्वेंट के रूप में काम करने वाला यह रोबो 'रोबोट सुपरवाइजर' नाम से जाना जाता था. वह लोगों की मदद करता था और कर्मचारियों के बीच काफी लोकप्रिय था.

हालांकि, उसके 'आत्महत्या' की घटना रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण चर्चा का विषय बन गई है, खासकर यह देखते हुए कि कोई मशीन भी सुसाइड जैसा कदम उठा सकती है. अब जानते हैं पूरा माजरा। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोबोट को रहस्यमय तरीके से एक ही जगह पर चक्कर लगाते हुए देखा गया था. इसके बाद वह दो मीटर ऊंची सीढ़ी से गिर गया. जिसके बाद उसके सारे सिस्टम खराब

हो गए. इस घटना के बाद रोबोट की 'मृत्यु' के कारणों की जांच के लिए एक विशेष टीम बनाई गई है. स्थानीय मीडिया ने इस घटना को देश की पहली 'रोबोट आत्महत्या' के रूप में बताया है।

सोशल मीडिया पर जैसे ही यह खबर आग की तरह फैली, लोगों ने तरह-तरह की बातें करनी शुरू कर दी. एक यूजर ने लिखा है, वर्कलोड के चलते अब मशीनें भी सुसाइड जैसा कदम उठाने लगी हैं. वहीं, दूसरे का कहना है, कोई लीव नहीं, कोई फर्क नहीं, रोबोट को भी यूनियन की आवश्यकता है. एक अन्य यूजर ने कमेंट किया है,यह घटना साबित करती है कि रोबोट्स अभी भी इंसानों की तरह निर्णय लेने और परिस्थितियों को समझने में सक्षम नहीं हैं।

पौड़ी गढ़वाल : शहीद भूपेंद्र नेगी की अश्रुपूरित विदाई, बहादुर बेटे की याद में रो पड़ा पूरा गांव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी गढ़वाल 04 जुलाई : भूपेंद्र नेगी देश सेवा करते हुए लद्दाख में शहीद हो गए, लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में श्योक नदी टैंक अभ्यास के दौरान यह हादसा हुआ। उनके पैतृक गांव के पैतृक घाट पर शहीद का सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। लद्दाख में भारतीय सेना के जवानों के साथ एक दर्दनाक हादसा हुआ है।

सेना के जवान लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में नदी पार करने का टैंक अभ्यास कर रहे थे। इस दौरान अचानक नदी का जलस्तर बढ़ गया, हादसे में एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) व चार जवान शहीद हो गए। इन जवानों में पौड़ी के भपेंद्र नेगी भी शामिल थे। हादसे की सूचना मिलने के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

बीती सुबह शहीद का पार्थिव शरीर पैतृक गांव लाया गया। शहीद जवान भूपेंद्र नेगी पौड़ी जिले के पाबौ ब्लॉक के बिशल्ड गांव का रहने वाले थे। जहां उनको आखिरी सलामी दी गई। उनके बच्चों और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पूरे गांव में शोक का माहौल पसरा हुआ है। भूपेंद्र नेगी अपने पीछे तीन बच्चे, पत्नी और पिता को छोड़ गए हैं। पार्थिव शरीर पहुँचने के बाद उनका अंतिम संस्कार पैतृक घाट में सैन्य सम्मान के साथ किया गया। कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत और कांग्रेस नेता गणेश गोदियाल ने भी शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें और उनके परिवार को इस अपार दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

रुद्रपुर : नशे में धुत स्कूल बस ड्राइवर ने छह महिलाओं को कुचला, एक की मौके पर ही मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर 04 जुलाई : बीते दिन सेंट मैरी स्कूल की तेज रफ्तार बस के चालक ने वाहन का इंतज़ार कर रही छह महिलाओं को रोंद दिया जिसमें से एक की मृत्यु हो गई। जबकि अन्य पांच महिलाएं गंभीर रूप से घायल हुई हैं। आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार बीते दिन पांच बजे काशीपुर हाईवे पर एलायंस कॉलोनी के पास छह महिलाएं अपने घर जाने के लिए सवारी वाहन का इंतजार कर रही थीं।

इस दौरान रुद्रपुर से काशीपुर की ओर जाने वाली एक निजी स्कूल की बस फ्लाईओवर पर थी, अचानक चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया। इस दौरान अनियंत्रित बस ने दो बाइक, दो ठेले और एक पिकअप को टक्कर मारते हुए कई महिलाओं को भी चपेट में ले लिया। इस हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी सी मच गई थी। इसमें एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चार महिलाएं एक किशोरी और बस चालक गंभीर रूप से घायल हो गए, घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। यहाँ से चिकित्सकों ने दो महिलाओं और किशोरी को हल्द्वानी सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर कर दिया है।बताया जा रहा है कि सभी महिलाएं फैक्ट्री में काम करती थीं और फैक्ट्री से छुट्टी के बाद घर जाने के लिए सड़क किनारे ऑटो का इंतजार कर रही थीं। सड़क हादसे की जानकारी मिलते ही रुद्रपुर एसपी सिटी मनोज कत्याल मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने चालक को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

उत्तराखंड : गहरी नींद में सोए थे बुआ-भतीजा सांप के डसने से हुई दोनों की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चम्पावत 04 जुलाई : यहाँ एक किशोर व उसकी बुआ को नींद में सांप ने काट लिया, एक साथ दो लोगों की मौत होने पर परिवार में कोहराम मच गया है। सीएम धामी ने परिवार को हर संभव मदद और उचित मुआवजा दिए जाने के निर्देश दिए हैं।कुछ दिन पहले ही दो छोटे बच्चों को सांप ने काट लिया था जिस कारण उनकी मौत हो गई थी और आज एक नया मामला कुछ ऐसा ही आया है जहाँ पर नींद में परिवार के दो सदस्यों को सांप ने काट लिया जिस कारण उनकी भी मौत हो गई है। घटना टनकपुर के ग्राम नायकगोठ की है जहाँ पर 19 वर्षीय सुजल टम्टा और उसकी बुआ रेखा देवी उम्र 47 वर्ष को सांप ने काट लिया, वे गहरी नींद में थे और सांप के डंसते ही अचानक उठे और चिल्लाने लगे। परिजन उनकी आवाज सुनकर वहां पहुंचे और उन्हें आनन-फानन में अस्पताल ले गए। जहाँ पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करके उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही दोनों ने दम तोड़ दिया।इस दुखद घटना पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वार्ता कर शोक संवेदना व्यक्त की है और पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता और उचित मुआवजा प्रदान करने के लिए वन क्षेत्राधिकारी को निर्देश दिए गए हैं, युवक दयानंद इंटर कॉलेज टनकपुर में कक्षा 11वीं का छात्र था। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर परिजनों से जानकारी एकत्रित कर रही है। सर्पदंश की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

संक्षिप्त खबरें

अगस्त्यमुनि के सौड़ी में सड़क पर आया मलबा, यातायात हुआ बाधित

रुद्रप्रयाग। मन्दाकिनी घाटी में बुधवार सुबह हुई चार घंटे की भारी बारिश के चलते कई जगहों पर जलभराव और भूस्खलन की घटनाएं हुई। केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग में अगस्त्यमुनि के सौड़ी के खेतों का मलबा सड़क पर आने से पौन घंटे तक यातायात बाधित रहा। इस कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। बाद में यात्रियों ने मलबा साफ कर यातायात को सुचारु किया। अगस्त्यमुनि नगर क्षेत्र में जवाहरनगर वार्ड में डिग्री कॉलेज के समीप सड़क जलभराव होने से तलाब में तब्दील हो गई। यही हाल पुरानादेवल में भी दिखा। स्कूली बच्चों और पैदल आवाजाही कर रहे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। गंगानगर-पठालीधार सड़क भी जहां पिछली बरसात में वॉशआउट हुई सड़क के हिस्से का मलबा गिरता रहा। खतरनाक स्थिति को देखते हुए चालकों ने बारिश रुकने के बाद ही आवाजाही की।

रूमसी में अतिवृष्टि से स्कूल का रास्ता और खेतों में आया मलबा

रुद्रप्रयाग। अगस्त्यमुनि के समीपवर्ती क्षेत्र रुमसी में बुधवार को अतिवृष्टि से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। लोगों के आवाजाही और स्कूल के रास्तों में मलबा आया है। जिससे आवाजाही में मुश्किलें हो रही है। अतिवृष्टि की सूचना मिलते ही प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि बुधवार सुबह ग्राम प्रधान रुमसी द्वारा सूचना दी गई कि रुमसी देवीदार तोक में मूसलाधार बारिश के कारण स्कूल का रास्ते और कुछ खेतों में मलबा आ गया है। घटना की सूचना प्राप्त होते ही मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र सिंह बिष्ट, खंड विकास अधिकारी अगस्त्यमुनि प्रवीन भट्ट एवं जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार के साथ ही राजस्व उप निरीक्षक घटनास्थल को रवाना हुए। घटनास्थल पर देवधार में जूनियर हाईस्कूल का रास्ता एवं कई लोगों की कृषि भूमि को आंशिक रूप से क्षति हुई है। इस घटना में किसी प्रकार से कोई जानमाल, जनहानि एवं पशु हानि नहीं हुई है। घटनास्थल पर पहुंचे मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने मुख्य कृषि अधिकारी, राजस्व उप निरीक्षक एवं खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आंशिक रूप से क्षति हुई कृषि भूमि एवं जूनियर हाईस्कूल रास्ते का आंगणन प्रस्ताव आपदा प्रबंधन के तहत तैयार कर शीघ्रता से शीघ्र उपलब्ध कराया जाए। साथ ही जूनियर हाईस्कूल के रास्ते में आए मलबे को तत्परता से हटाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

पौधे रोप संरक्षण का संकल्प

रुद्रप्रयाग। राजकीय प्राथमिक विद्यालय कोट तल्ला में मंगलवार को वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत पौधरोपण किया गया। वन अधिकारियों के साथ ही स्कूली बच्चों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक सत्येंद्र सिंह भण्डारी ने किया। रुद्रप्रयाग रेंज के जसोली क्षेत्र के कोदिमा और डोभ अनुभाग में पौधारोपण किया गया। अभियान में आंवला, नींबू, संतरा, दाडिम आदि के पौध लगाए गए। कार्यक्रम में उप वन क्षेत्राधिकारी संतोष बड़वाल, वन आरक्षी मनीष सिंह, हीरा सिंह, शिखा आदि मौजूद रहे।

सिंगोली भटवाड़ी परियोजना से आज छोड़ा जाएगा पानी

रुद्रप्रयाग। मंदाकिनी नदी पर बनी सिंगोली-भटवाड़ी जल विद्युत परियोजना से गुरुवार को बैराज से सभी गेटों से पानी छोड़ा जाएगा। जिससे नदी का जल स्तर बढ़ना तय है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि सिंगोली भटवाड़ी जल परियोजना प्रबंधन द्वारा जानकारी दी गई कि बैराज से सभी गेटों से गुरुवार को पानी छोड़ा जाएगा। नदी किनारे रहने वाले लोग सतर्क रहें साथ ही कोई भी नदी किनारे न जाएं। उन्होंने बताया कि कंपनी के अनुसार गुरुवार 4 जुलाई को सिंगोली भटवारी जल विद्युत परियोजना के कुंड बैराज से सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक सभी गेटों से पानी छोड़ा जाएगा। सिल्ट फ्लैशिंग के लिए ऐसा किया जाना अति आवश्यक है। जिस वजह से मंदाकिनी नदी का जल स्तर एवं जल प्रवाह और अधिक बढ़ेगा। उन्होंने नदी के आसपास रह रहे लोगों को इसकी जानकारी देते हुए सचेत किया है। वे लोग नहीं तो स्वयं नदी किनारे जाएं और न ही अपने मवेशियों को नदी की ओर जाने दें। ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

शाही ट्रेन पैलेस ऑन वील्स में अब कर सकेंगे शादी, ये है देश की दूसरी सबसे महंगी ट्रेन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जुलाई : राजस्थान का सौंदर्य और शौर्य यहां के कण-कण में फैला है. हर शहर और कस्बे की अपनी अलग पहचान-रंग और कहानी है. यहां की आन-बान और शान निराली है. इसी शान-बान का प्रतिनिधित्व करती है देश की दूसरी सबसे महंगी ट्रेन पैलेस ऑन वील्स. इसमें राजसी सुविधाएं यात्रा का मजा कई गुना बढ़ा देती है. इसमें सफर की चाहत सबकी होती है. इस ट्रेन में तमाम सुविधाओं के साथ एक और नयी सुविधा मिलने जा रही है. इस ट्रेन में यात्री अब शादी भी कर सकेंगे।

पैलेस ऑन व्हील्स एक ऐसी ट्रेन हैं जो अपने शाही लुक के लिए प्रसिद्ध है. इस ट्रेन के अंदर शाही महल जैसा इंटीरियर, खान पान और सुविधाएं इसे खास बनाती हैं. इस शाही रेल में अब एक ऐसी अनोखी सुविधा यात्रियों को मिलने वाली है जिसका अरमान हर किसी के दिल में होगा. अब इस खूबसूरत चलती ट्रेन में भी लोग शादी कर सकेंगे. जल्द ही अब पैलेस ऑन व्हील्स में शादी और शादी से जुड़ी अन्य सभी रस्मों को ट्रेन में करने की सुविधा मिलने वाली है।

पैलेस ऑन व्हील्स में शादी की सुविधा के लिए ट्रैवल कंपनी से करार किया गया है. इसके अनुसार लोग पैलेस ऑन व्हील्स में शादी भी कर सकते हैं. इस साल 20 जुलाई से ट्रेन के नए सीजन की शुरुआत होगी. भारत में आज तक कभी किसी ट्रेन में ऐसा नहीं हुआ कि चलती ट्रेन में लोग शादी करें. पहली बार इस ट्रेन में इसकी शुरुआत होगी. पैलेस ऑन व्हील्स राजस्थान के ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों की सैर कराती है. साथ में आगरा भी इसमें शामिल रहता है. इस ट्रेन का रूट जयपुर, सवाई माधोपुर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, जैसलमेर, जोधपुर, भरतपुर और आगरा तक रहता है।

भारत में चलने वाली ट्रेनों में पैलेस ऑन व्हील्स दूसरी सबसे महंगी ट्रेन है. महाराजा ट्रेन के बाद इसका किराया है. इसका किराया लाखों में होता है. इस ट्रेन में सफर करने के लिए प्रति व्यक्ति औसतन एक दिन का किराया एक लाख रु. तक है. लंबी यात्रा के हिसाब इस ट्रेन का किराया लाखों रुपए तक हो जाता है. इसमें ज्यादातर विदेशी पर्यटक या नामचीन हस्तियां और बिजनेस पर्सन ही यात्रा करते हैं. इस शाही ट्रेन में सफर करने वाले पर्यटकों और लोगों के लिए

हर प्रकार की सुविधाएं मौजूद रहती हैं. अब इस ट्रेन में जल्द ही शादियां होंगी जिससे लाखों रुपए का रेवेन्यू जनरेट होगा. रेलवे और पैलेस ऑन व्हील्स की ओर ट्रेन में शादी की सुविधा के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

इतने घंटे की देरी पर चलती है ट्रेन तो मिलता है पूरा रिफंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जुलाई : भारतीय रेलवे का नेटवर्क काफी बड़ा है। ऐसे में भारतीय रेलवे यात्रियों को कई तरह की सुविधा देते हैं। वर्तमान में उत्तर भारत में ठंड की मार से रेलवे के साथ हवाई सफर पर भी असर देखने को मिल रहा है। देश में कई ट्रेन देरी से चल रही है या फिर कैंसिल हो रही है। ऐसे में भारतीय रेलवे यात्रियों को एक खास अधिकार देता है जिसके तहत वह आसानी से ट्रेन टिकट पर पूरा रिफंड ले सकते हैं।ट्रेन से सफर करने वाले कई यात्रियों को इस अधिकार के बारे में नहीं पता होता है। भारतीय रेलवे ट्रेन के लेट होने पर यात्री को पूरा पैसा वापस करती है। इसके लिए भारतीय रेलवे की कुछ शर्तें होती है। चलिए, आज हम भारतीय रेलवे के इस नियम के बारे में बताते हैं। देश में करोड़ों लोग रोज ट्रेन से सफर करते हैं। वर्तमान में ठंड की वजह से उत्तर भारत की कई ट्रेन लेट से चल रही है। इस वजह से कई यात्री को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि भारतीय रेलवे ट्रेन को समय से चलाने के लिए कदम उठा रही है।

अगर आप भी ट्रेन से सफर करने वाले हैं और आपकी ट्रेन लेट हो जाती है तो आप आसानी से अपनी टिकट का पूरा रिफंड ले सकते हैं। भारतीय रेलवे के नियम के अनुसार ट्रेन के लेट होने पर यात्री रिफंड के लिए क्लेम कर सकते हैं। ट्रेन अगर 3 घंटे से ज्यादा लेट है तब ही यात्री रिफंड के लिए क्लेम कर सकते हैं। वहीं, कंफर्म तत्काल टिकट को कैंसिल करने पर कोई रिफंड नहीं दिया जाता है।अगर ट्रेन 3 घंटे की देरी से चल रही है और आप यात्रा नहीं करना चाहते हैं तो रिफंड क्लेम करके पूरी राशि वापस ले सकते हैं। रिफंड क्लेम के लिए आपको टिकट डिपॉजिट रसीद फाइल करनी होगी आप टीडीआर (TDR) आईआरसीटीसी (IRCTC) के अधिकारिक वेबसाइट पर जाकर फाइल कर सकते हैं। इसके अलावा आप टिकट काउंटर पर भी जाकर टिकट सरेंडर कर सकते हैं। जिसके बाद आपको पूरा रिफंड मिल जाएगा। आपको बता दें कि रिफंड वापस मिलने में कम से कम 90 दिनों का समय लगता है।

कैसे फाइल करें टीडीआर

आपको सबसे पहले IRCTC के वेबसाइट पर लॉग-इन करना है।इसके बाद आप 'Services' के टैब में ₹File Ticket Deposit Receipt (TDR)₹ को सेलेक्ट करें।अब आप My Transactions में जाकर ₹File TDR₹ पर क्लिक करें।इसके बाद आपके क्लेम रिक्वेस्ट रेलवे को भेजा जाएगा।रिफंड की राशि उसी बैंक अकाउंट में आएगी, जिस अकाउंट से टिकट बुक हुई है।

संक्षिप्त खबरें

बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग उठाई

नई टिहरी। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव बुडोगी के लोगों ने बुधवार को डीएम मयूर दीक्षित को ज्ञापन सौंपकर बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग उठाई। कहा कि गांव में बंदरों को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाए जाएं। ग्राम बुडोगी की महिलाओं में सुशीला, मीना, गुड्डी और भूपेंद्र चौहान ने डीएम को सौंपे ज्ञापन में बताया कि गांव में बंदरों का इतना आतंक हो गया है कि छोटे बच्चों को अकेला नहीं छोड़ा जा सकता है। स्कूल जाने वाले बच्चों को भी बंदरों के आतंक का भय निरंतर बना हुआ है। गांव के निकटस्थ क्षेत्रों में बंदरों और लंगूरों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। बंदर फसलों और घरों को भी सीधा नुकसान पहुंचा रहे हैं। बंदरों के आतंक से लगातार बड़ी दुर्घटना होने की आशंका निरंतर बनी हुई है। पूर्व में भी वन विभाग को अवगत कराया गया है, लेकिन कार्यवाही नहीं हुई है। लोगों ने डीएम से बंदरों से निजात दिलाने की मांग उठाई है।

मिनी टयूबवेल से जलापूर्ति होने से ग्रामीणों को राहत

नई टिहरी। एक जून को टिहरी बांध से भागीरथी का जल रोके जाने के बाद यहां मुनेठ सजवाण कांडा पंपिंग योजना से जुड़ी दस ग्राम पंचायतो की जलापूर्ति भी ठप पड़ गयी थी। जल संस्थान की ओर से भागीरथी में पोखर बनाकर पाइपों के जरिये मुख्य टैंक तक पानी पहुंचाया गया। मगर इससे पर्याप्त जलापूर्ति गांवों के लिए नहीं हो पा रही थी। टीएचडीसी की ओर से वैकल्पिक व्यवस्था बनाने को लेकर यहां जल संस्थान को सहयोग दिया गया। जिसमें योजना के मुख्य टैंक के निकट डीप बोरिंग की गयी, मगर उसमें पानी नही निकल पाया। जिसके बाद तीन किमी दूर राजमार्ग स्थित भुईट गधेरे से करीब डेढ़ सौ मीटर बोरिंग कर पानी निकाला गया। यहां मिनी ट्यूबवेल स्थापित कर तीन इंच पानी बीते सोमवार को मुख्य टैंक तक पहुंचाया गया।

निरीक्षण अभियान के दौरान 12 खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए

नई टिहरी। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी शारदा शर्मा ने बताया कि चंबा में निरीक्षण किया गया। संदेह के आधार पर दूध, नमक, आटा, मैदा, सूजी, चीनी, चावल, अरहर दाल, सेंवई, बूंदी, नमकीन आदि के 12 सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजे गये हैं। लैब की रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान एक्सपायरी सात पैकेट दलिया और एक पैकेट बूंदी मौके पर नष्ट किए गए। खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन न करने पर चार कारोबारियों को नोटिस जारी किया गया।

थत्यूड़ के नवनियुक्त थानाध्यक्ष ने कार्यभार संभाला

नई टिहरी। थत्यूड़ के नवनियुक्त थानाध्यक्ष अमित शर्मा ने मंगलवार शाम को कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने अपराध नियंत्रण, नशा और मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान चलाने और आम जन की सुरक्षा के लिए कार्य करना अपनी प्राथमिकता बताई। कहा कि थत्यूड़ क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था चुनौती बनी हुई है। जिसे व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से ठीक किया जाएगा। पत्रकार वार्ता करते हुए एसएचओ शर्मा ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराध पर नियंत्रण के लिए वह पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। मानसून सीजन को देखते हुए क्षेत्र में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में नियमित रूप से निगरानी की जाएगी। आमजन और व्यापारियों को भरोसा दिया कि उनकी समस्या का समय रहते निस्तारण किया जाएगा। थत्यूड़ पुलिस मित्रता के स्लोगन को प्रदर्शित भी करेगी। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि नशा छोड़ पढ़ाई और खेलकूद पर ध्यान दें। आम जनता से भी अपील की कि संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल पुलिस को सूचना दें। नशा और अन्य गतिविधियों में लिप्त लोगों की सूचना देने पर उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

डीएम ने ली दाखिला खारिज तथा धारा 143 के प्रकरणों के निस्तारण के सम्बन्ध में वर्चअल माध्यम से समीक्षा बैठक

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका ने दाखिला खारिज तथा धारा 143 के प्रकरणों के निस्तारण के सम्बन्ध में वर्चअल माध्यम से समीक्षा बैठक लेते हुए समस्त उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदरों को अपनी-अपनी कोर्ट में वादों के निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के धारा 34ए दाखिला खारिज वादों को निस्तारण हेतु रोस्टरवार कैम्प लगाते हुए प्रकरण निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देश दिए कि वादों के निस्तारण के सम्बन्धि नियमित समीक्षा बैठक ली जाएगी। उन्होंने निर्विवाद विरासतन के मामलों को प्राथमिकता से निस्तारित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि उनके द्वारा नियमित रूप से धारा 34ए 122बी, 143ए धारा 176 के वादों की समीक्षा की जाएगी। सम्बन्धित उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदारों को अपनी-अपनी कोर्ट में निस्तारितए गतिमान वादों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस अवसर कलेक्ट्रेट परिसर में उप जिलाधिकारी सदर हरगिरि उपस्थित रहे तथा उप जिलाधिकारी चकराता योगेश मेहर, उप जिलाधिकारी डोईवाला अपर्णा ढौंडियाल, उप जिलाधिकारी ऋषिकेश कुमकुम जोशी, तहसीलदार विकासनगर सुरेन्द्र सिंह, डोईवाला चमन सिंह, कालसी पी.एस रांगड़, तहसीलदार सदर वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।

आपकी उँगलियों में है बोलने की कला, जानिए ये राज़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जुलाई : उंगलियां सिर्फ चलती ही नहीं बोलती भी हैं। जिन उंगलियों और हथेली की खूबसूरती के लिए आप लाख जतन करते हैं उन्हीं उँगलियों में छिपी है आपकी किस्मत जिस प्रकार ज्योतिष शास्त्र में किसी व्यक्ति की जन्मकुंडली को देखकर उसके व्यक्तित्व और भविष्य के बारे में बताया जाता है।

ठीक उसी प्रकार सामुद्रिक शास्त्र में शरीर के अंगों की बनावट को देखकर व्यक्ति के भविष्य के बारे में आकलन किया जाता है। सामुद्रिक शास्त्र के द्वारा व्यक्ति के अंगों की बनावट, तिल और निशान आदि को देखकर उसे आने वाले जीवन, व्यापार और धन संबंधित मामलों के बारे में जाना जाता है। उंगलियों की बनावट किसी भी व्यक्ति के स्वभाव के बारे में बहुत कुछ बताती हैं। इसी कड़ी में आज हम बात करेंगे अनामिका उंगली यानी रिंग फिंगर की बनावट के बारे में। एक महिला आपको बता रही हैं कि आपकी नामिका उंगली की बनवाट आपके स्वभाव के बारे में क्या कहती है....

लंबी अनामिका उंगली

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार जिन लोगों की अनामिका उंगली तर्जनी से लंबी होती है ऐसे लोगों की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी होती हैं। इन लोगों के जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं होती है। ये लोग प्रशासनिक पोस्ट पर होते हैं। ऐसे लोग जॉब के साथ बिजनेस करने के भी शौकीन होते हैं और खूब शोहरत कमाते हैं।

छोटी अनामिका उंगली

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों

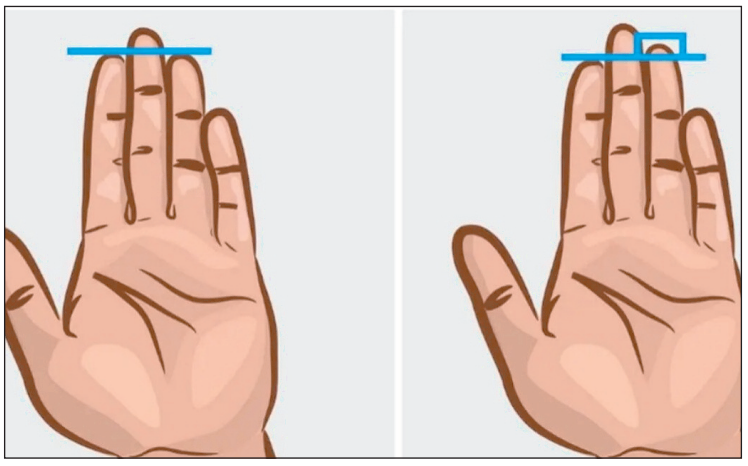

की अनामिका उंगली की लंबाई कम यानी छोटी होती है, ऐसे लोगों के जीवन में उम्र बढ़ने के साथ ही धन की बढ़ोत्तरी होती जाती है। ऐसे लोगों के पास शुरुआती उम्र में तो धन कम रहता है, लेकिन बाद में इनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो जाती है।

पतली अनामिका उंगली

जिन लोगों की अनामिका उंगली पतली होती है, ऐसे लोग जीवन खूब नाम और शोहरत पाते हैं। कहा जाता है कि इन लोगों को महंगी चीजें खरीदने का शौक होता है। हालांकि ऐसे लोग दानी भी होते हैं। इसके अलावा ऐसे लोग अपनी लव लाइफ में बेहद वफादार होते हैं।

मोटी अनामिका उंगली

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की अनामिका उंगली की मोटाई अधिक होती है ऐसे लोगों को जीवन में काफी देर से धन की प्राप्ति होती है। इन लोगों को धन के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ता है। साथ ही ऐसे लोग धन को संचय भी नहीं कर पाते हैं।

'नयी' और 'नई' शब्दों में क्या है फर्क, एक ही हैं या फिर मतलब है अलग-अलग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जुलाई : हमारी रोजाना की ज़िंदगी में इस्तेमाल होने वाले बहुत से ऐसे शब्द होते हैं, जिन्हें हम खूब इस्तेमाल करते हैं लेकिन कभी ये नहीं जानने की कोशिश करते कि ये सही भी है या नहीं. कुछ शब्दों को तो हम ज़िंदगी भर गलत ही लिखते हैं. होता यूं है कि हमने किसी को ऐसा लिखते देख लिया तो उसी को सही मान लिया. ऐसे ही एक शब्द को लिखने का कन्फ्यूजन कुछ लोगों को जीवन भर बना रहता है – वो है 'नयी' और 'नई'. तो फिर क्या है सही

हाल ही में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर एक यूज़र ने पूछा कि हिंदी के शब्द 'नयी' और 'नई' में फर्क क्या होता है, जो कुछ लोग इसे 'नयी' लिखते हैं, तो कुछ 'नई'. इसके जवाब में यूज़र्स ने अपनी अलग-अलग राय रखी है. सबके अपने-अपने तर्क थे. हालांकि ये सवाल काफी पेचीदा है और इसका सीधा जवाब दे पाना भी आसान नहीं है.

सबसे पहले तो सवाल ये है कि'नयी' और 'नई' में कुछ फर्क होता भी है या नहीं? वैसे तो दोनों को ही एक ही अर्थ में इस्तेमाल किया जाता है, सुनने में इसमें कोई अंतर समझ में नहीं आता लेकिन लिखते वक्त ज़रूर लोग भ्रमित हो जाते हैं. यहां भी गयी और गई की तरह कुछ लोगों ने मानकीकरण हिंदी के तहत श्रुतिमूलक और स्वरात्मक रूप का हवाला दिया है. यानि सुनने में तो इन दोनों शब्दों का उच्चारण एक जैसा ही है लेकिन अगर इसे लिखेंगे तो ये नई हो सकता है. चूंकि ये क्रिया न होकर संज्ञा है, ऐसे में 'नया' का इस्तेमाल पुल्लिंग के तौर पर होने पर व्याकरण के आधार पर इसे 'नयी' ही लिखा जाएगा. अगर नया शब्द का अंत न'आ' होता तो इसे बेशक स्वरात्मक रूप से स्त्रीलिंग होने पर नई लिख दिया जाता। इस पर बहस तो काफी लंबी हो सकती है और अलग-अलग तरह के तर्क सामने आ सकते हैं. हालांकि सीधी चीज़ ये है कि दोनों ही शब्दों को समान अर्थ में इस्तेमाल किया जाता है और लोग अपनी-अपनी समझ के हिसाब से लिखते हैं. मुख्य बात ये है कि किसी भी परिस्थिति में इनके अर्थ में कोई बदलाव नहीं आता है. जिन भी शब्दों में सुनकर लिखने के बाद 'यी' और 'ई', 'ये' और 'ए' का फर्क आता है, उनमें से किसी को भी सही या गलत नहीं कहा जा सकता.

मैच देखने के लिए घरवालों ने रोक दिया अंतिम संस्कार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जुलाई : दक्षिण अमेरिकी देश चिली में हाल ही में एक अनोखी घटना हुई, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. यहां एक परिवार ने अपने प्रियजन का अंतिम संस्कार रोक कर फुटबॉल मैच देखने का फैसला किया. इसका वीडियो भी वायरल हुआ है, जिस पर सोशल मीडिया यूजर्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, परिवार ने चिली और पेरू के बीच हो रहे फुटबॉल मैच को देखने के लिए अपने रिश्तेदार के अंतिम संस्कार को रोक दिया. वायरल हो रहे वीडियो में परिवार को प्रेयर रूम में एक बड़ी स्क्रीन पर फुटबॉल मैच का लुत्फ उठाते हुए देखा जा सकता है. वहीं, बीच में ताबूत है, जिसे फूलों और फुटबॉल खिलाड़ियों की जर्सियों से सजाया गया है. इसके अलावा एक पोस्टर है जिस पर लिखा है, 'अंकल फेना आपने जो खुशी के पल दिए, उसके लिए धन्यवाद. हम आपको हमेशा याद रखेंगे।

सोशल साइट एक्स पर इस पोस्ट को टॉम वैलेंटिनो नामक यूजर ने शेयर किया है. उन्होंने कैप्शन में हैरान होकर लिखा है,

एक फैमिली ने चिली और पेरू के बीच फुटबॉल मैच देखने के लिए अंतिम संस्कार रोक दिया. अब 18 सेकंड की इस क्लिप को देखने के बाद लोग तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं।

सोशल साइट एक्स पर इस पोस्ट को टॉम वैलेंटिनो नामक यूजर ने शेयर किया है. उन्होंने कैप्शन में हैरान होकर लिखा है, एक फैमिली ने चिली और पेरू के बीच फुटबॉल मैच देखने के लिए अंतिम संस्कार रोक दिया. अब 18 सेकंड की इस क्लिप को देखने के बाद लोग तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया है, 'अगर मैच देखने का इतना ही चस्का था, तो दूसरे दिन फ्यूनरल रखना चाहिए था.' वहीं, दूसरे का कहना है, 'हो सकता है कि मरने वाले की यही आखिरी इच्छा हो.' एक अन्य यूजर ने भी इसे सही ठहराते हुए लिखा है, 'घरवाले आखिरी मैच साथ में देखकर मृतक को श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

राज्य कर विभाग के कर्मचारियो ने कार्य बहिष्कार किया

श्रीनगर गढ़वाल। उत्तराखंड राज्य कर मिनिस्टीरियल स्टाफ एसोसिएशन के आह्वान पर आयकर विभाग के कर्मचारियों ने बुधवार को श्रीनगर में आयकर विभाग के कार्यालय के सामने दो घंटे तक कार्य बहिष्कार किया। महेश जुयाल, मनोज कुमार, सत्य शाह ने राज्य कर अधिकारी के पदों पर कटौती का विरोध किया। कर्मचारियों ने कहा कि जब तक मांगे नहीं मानी जाती तब तक कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। कहा की राज्य कर विभाग में राज्य कर अधिकारियों के पदों की संख्या में करीब 234 थी। जिसमें 50 प्रतिशत पद पदोन्नति के माध्यम से भरे जाते थे। लेकिन अब विभागीय ढांचे में इन पदों को समाप्त कर दिया है। उन्होंने जल्द से जल्द राज्य कर अधिकारियों के पदों को बहाल करने को कहा। इस मौके पर प्रवेश बहुगुणा, सत्य लाल, मनीष नौटियाल, मनोज कुमार, गौरव मैठानी मौजूद रहें।

बारिश ने भीषण गर्मी से राहत दिलाई

श्रीनगर गढ़वाल। श्रीनगर और आस पास के क्षेत्र में बुधवार सुबह से ही हल्की बारिश ने दस्तक दी। हल्की बारिश के चलते जहां लोगों को गर्मी से निजात मिली वहीं मौसम भी सुहावना हुआ। श्रीनगर में बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी से राहत दिलाई। दिनभर आसमान में काले बादल छाए रहें हल्की बारिश ने मौसम को कुछ हद तक ठंडा किया। मानसून की पहली बारिश होने पर लोगों के चेहरे खिले नजर आए। और लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली।

डीएम ने शहर क्षेत्र में खुले आश्रय गृहों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी

देहरादून। डीएम सोनिका ने बुधवार को शहर क्षेत्र में खुले बाल आश्रय गृहों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान अधीनस्त कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सभी बाल आश्रय गृहों में सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाए।डीएम ने निर्देशित किया कि आश्रय गृह में सभी मूलभूत सुविधाएं दी जाएं। उन्होने राष्ट्रीय बाल सुरक्षा टीम को समय समय पर आश्रय गृहों का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाएं की जांच करने को कहा। साथ ही मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं बनाने के निर्देश दिए। सत्य साई आश्रय गृह के दिव्यांग बच्चे निरीक्षण के दौरान स्कूल गए थे, जिस पर डीएम उनके स्कूल जाकर बच्चों से मिली। इस मौके पर जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट, राष्ट्रीय बाल सुरक्षा की टीम के सदस्य मौजूद रहे।

शरीर और दिमाग के लिए कितनी फायदेमंद है साउंड थेरेपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जुलाई : लोग शांति और सुकून पाने के लिए कई तरह की थेरेपी लेते हैं। लेकिन एक थेरेपी ऐसी भी है, जिसमें ध्वनि का इस्तेमाल करके शांति प्रदान की जाती है। आप सोच रहे होंगे कि आवाज सुनकर किसी को शांति कैसे मिल सकती है। लेकिन ऐसा है और इस थेरेपी को साउंड थेरेपी कहते हैं।

साउंड थेरेपी तकनीक में कुछ खास तरह के इक्विपमेंट की मदद से ध्वनि और वाइब्रेशन उत्पन्न किए जाते हैं, जिससे व्यक्ति का उपचार किया जाता है। साउंड थेरेपी में साउंड और वाइब्रेशन के इस्तेमाल से व्यक्ति की शारीरिक/ मनोवैज्ञानिक स्थिति को प्रभावित किया जाता है।

साउंड हीलिंग थेरेपी को शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए लिया जाता है। इस थेरेपी में इलाज करने वाले प्रोफेशनल्स कुछ खास तरह के तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें शामिल हैं: म्यूजिक सुनना, म्यूजिक के साथ गाना ,संगीत की ताल पर मूव करना , मेडिटेशन करना ,किसी तरह का म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट बजाना माना जाता है कि ध्वनि के साथ उपचार करने की शुरुआत ग्रीस से हुई थी। इसमें मानसिक समस्याओं को ठीक करने के प्रयास में संगीत का उपयोग किया जाता था। माना जाता है कि, संगीत का उपयोग करके सैनिकों का मनोबल बढ़ाया जाता था, लोगों के काम में तेजी और अधिक प्रोडक्ट बनाने के लिए संगीत का सहारा लिया जाता था। इतना ही नहीं इसके अलावा बुरी आत्माओं को भगाने के लिए भी संगीत का सहारा लिया जाता था।

हाल ही में, कुछ रीसर्च में भी संगीत को कई स्वास्थ्य लाभों से जोड़ा गया है, जिसमें चिंता कम करने से लेकर इम्यून फंक्शन को बढ़ावा देने और यहां तक कि प्रीमैच्योर बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार शामिल है। बोनी थेरेपी , ब्रेनवेव एंटरटेनमेंट , गाइडेड मेडिटेशन , ट्यूनिंग फोर्क थेरेपी ,Nordhoff-रॉबिन्स ,साउंड थेरेपी के प्रकार ,न्यूरोलॉजी म्यूजिक थेरेपीकिसके लिए फायदेमंद है साउंड थेरेपी? साउंड थेरेपी का उपयोग कई स्थितियों के उपचार के लिए किया जाता है, इसमें शामिल हैं- एंग्जायटी ,डिप्रेशन ,किसी ट्रॉमा से उबरने के लिए ,पागलपन ,ऑटोमेटिक लोगों के लिए ,सीखने की कठिनाई से जूझ रहे लोगों के लिए ,व्यवहारिक और मानसिक विकार साउंड थेरेपी के कुछ कथित लाभ तनाव कम करना ,मूड स्विंग कम करना ,ब्लड प्रेशर कम करें , कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करना ,दर्द को प्रबंधित करना सिखाए ,कोरोनरी आर्टरी रोग और स्ट्रोक के जोखिम को कम करना ,नींद में सुधार करना।

लहसुन न चोरी हो जाए इसलिए खेत में किसानों ने लगाए CCTV

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जुलाई : पूरे देश में लहसुन के भाव आसमान पर हैं. लेकिन, लहसुन को लेकर सिर्फ खरीदार ही चिंतित नहीं, बल्कि किसान भी घबराए हुए हैं. दरअसल, किसानों को डर सता रहा है कि लहसुन की बढ़ती कीमत के बीच कहीं उनकी चोरी न शुरू हो जाए, इसलिए किसान अब खेतों में सुरक्षा के इंतजाम करते दिख रहे हैं. हाल ही में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से हैरान करने वाली घटना सामने आई।

यहां पर किसानों ने अपने लहसुन के खेत में सीसीटीवी कैमरे लगवा दिए हैं, साथ ही कुछ मजदूरों को भी तैनात कर दिया है, ताकि लहसुन की फसल कोई चुरा न ले जाए. छिंदवाड़ा के मोहखेड़ क्षेत्र के सांवरी में किसानों ने निगरानी के लिए खेतों में सीसीटीवी कैमरे लगावा लिए हैं, जिससे खेत में लगी फसलें और खेत में काम कर रहे मजदूरों की निगरानी की जा रही है. फसल निकल जाने की बाद कैमरे खेतों से हटा लिए जाएंगे.

इस बार लहसुन फायदे का सौदा

किसान राहुल देशमुख ने बताया कि खेत में सीसीटीवी कैमरे लगाने से लहसुन की चोरी को बचाया जा सकता है. खेत में काम कर रहे मजदूरों पर भी नजर रखी जा रही है. ऐसे में अगर चोरी या फिर कोई हादसा हो जाए, तो उसे देख सकते हैं. इस बार लहसुन की खेती किसानों के लिए फायदे का सौदा साबित हो रही है. कम से कम एक एकड़ में पांच लाख की आमदनी हो रही है।

एक के बाद कई किसानों ने लगवाए कैमरे

वहीं, किसानों के खेत में कैमरे लगाने वाले गजानंद देशमुख ने बताया कि कुछ चीज महंगी होती हैं तो चोरी और नुकसान का डर होता है. लहसुन को लेकर एक किसान के मन में डर आ गया. इसके बाद उनके ऑर्डर पर हमने खेत में सीसीटीवी कैमरा लगा दिया. किसान को इसका अच्छा रिजल्ट मिला. खेत में किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ. ऊपर से घर बैठे मजदूरों पर नजर भी रखी जा सकती है. इस फायदे को देखने के बाद अन्य किसान भी प्रेरित हुए. तीन से चार अन्य किसानों ने भी अपने खेतों में सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं।

उत्तराखंड : लक्ष्मी मेहता की TMKOC टीवी शो में हुई एंट्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

खटीमा 04 जुलाई : आखिरकार लंबी मशक्कत के बाद पोपटलाल की खोजबीन अब जाकर पूरी हुई और उन्हें अपने सपनों की राजकुमारी मिलने वाली है। पोपटलाल की मधुबाला ने गोकुलधाम सोसायटी पहुंच चुकी हैं। उम्मीद है इस रिश्ते से उनके जीवन में बहार आएगी।

पूरे देश का पसंदीदा कॉमेडी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को लोग लम्बे समय से प्यार दे रहे हैं, इतना समय बीतने के बाद भी लोग आज भी इस शो को देखना पसंद करते हैं। क्यूंकि यह एक पारिवारिक कॉमेडी शो है जिसे परिवार के किसी भी सदस्य के साथ मिलजुलकर देखा जा सकता है। पत्रकार पोपटलाल सालों से अकेले हैं और अपने रिश्ते को लेकर बड़े परेशान रहते हैं। कई बार तो रिस्ता बनते-बनते टूटा है। लेकिन अब उनकी ज़िन्दगी में मधुबाला की एंट्री हो गई है, जिससे अब पोपटलाल के जीवन का अकेलापन ख़त्म होने वाला है। उनके जीवन में आने वाली यह खूबसूरत लड़की उत्तराखंड के खटीमा की है, जो Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah में पोपटलाल के संगी साथी बनी हैं।

लक्ष्मी मेहता (मधुबाला) खटीमा के चकरपुर की सेना में सेवारत देव सिंह मेहता और चंद्रकला मेहता की बेटी हैं। बचपन से ही उन्हें एक्टिंग करने का बहुत शौक था। इन्होने इंजीनियरिंग से अपनी पढाई पूरी की फिर अपने अंदर छुपी कला को निखारने चार साल पहले मुंबई में कदम रखा। अपने करियर की शुरुआत लक्ष्मी ने म्यूजिक वीडियो से की फिर जीटीवी के भाग्यलक्ष्मी में काम करने का मौका मिला और यहीं से इनकी अभिनय की यात्रा शुरू हुई। इसके बाद ये कई फेमस शो का हिस्सा बने और लाखों दर्शक इन्हें पसंद करने लगे। अब इस शो में पोपटलाल की मधुबाला बनकर आईं हैं तो देखना होगा कहाँ तक दोनों बीच का रिश्ता चलता है।

संक्षिप्त खबरें

व्यापार सभा श्रीनगर ने डाक्टरों को किया सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल। डॉक्टर्स डे पर वर्ष 2023-24 का सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा पुरस्कार से राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के प्राचार्य चंद्र मोहन सिंह रावत एवं उप जिला चिकित्सालय श्रीनगर के अस्थि रोग विभाग के डा. सचिन चौबे को सम्मानित किया गया। जिस पर व्यापार सभा के पदाधिकारियों ने खुशी जताई। इस मौके पर जिला व्यापार मंडल श्रीनगर ने दोनों डॉक्टर को सम्मानित किया। मौके पर उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष वासुदेव कंडारी, व्यापार सभा श्रीनगर के अध्यक्ष दिनेश असवाल, जगदीप रावत, दिनेश पंवार, दिनेश पंवार, डांग व्यापार मंडल अध्यक्ष सौरभ पांडे, श्रीकोट व्यापार मंडल अध्यक्ष नरेश नौटियाल, बिपेंद्र बिष्ट, दिनेश पटवाल, सुरेंद्र सिंह भंडारी सहित आदि मौजूद थे।

जल संस्थान के आउटसोर्स कर्मचारियों का कार्यबहिष्कार शुरू

पौड़ी। जल संस्थान के आउटसोर्स कर्मियों ने बुधवार से कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया है। पौड़ी के जल संस्थान विभाग के तहत आने वाले आउटसोर्स कर्मचारी मानदेय का भुगतान समय पर न करने से नाराज चल रहे हैं। बुधवार को कार्यबहिष्कार करते हुए कर्मचारियों ने कहा कि कई बार मानदेय बढ़ाने व समय से भुगतान को लेकर विभाग को अवगत कराया गया लेकिन उनकी मांगों को अनदेखा किया जा रहा है। कहा कि जब तक समस्याओं का हल नहीं होता है तब तक आंदोलन जारी रहेगा। वहीं, जलकल कर्मियों की हड़ताल का असर शहर की पेयजल आपूर्ति पर ना पड़े इसको लेकर जल संस्थान के अधिशासी अभियंता एसके रॉय ने बताया कि स्थाई जलकल कार्मिकों के जरिए व्यवस्था बनाई जा रही है। बताया कि यह स्थिति क्यों आई है इसको लेकर संबंधित ठेकेदार से भी से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा और कर्मचारियों की समस्या हल की जाएगी। कार्यबहिष्कार करने वालों में शिवचरण, राजा, पदम, राकेश, महाराज, गोपी कृष्ण, इंद्रमोहन, असलम, विक्की आदि शामिल थे।

भागीरथी नदी के अस्तित्व बचाने को 6 जुलाई से आमरण अनशन : चौधरी

श्रीनगर गढ़वाल। किसान मोर्चे के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भोपाल चौधरी ने बुधवार को कहा कि भागीरथी नदी की दुर्दशा को देखते हुए वह आगामी 6 जुलाई से देवप्रयाग संगम तट पर आमरण अनशन करेंगे। कहा कि देवभूमी में बांधों के कारण मोक्षदायनी गंगा का अस्तित्व खतरें में पड़ गया है। कहा कि जिसका जीता जाता उदाहरण देवप्रयाग में मां भागीरथी आज 45 किमी तक पूरी सूख चुकी है। उन्होंने सभी गंगाप्रेमी और पर्यावरण प्रेमी को मां गंगा के अस्तित्व को बचाने को आगे आने आह्वान किया। बुधवार को श्रीनगर में पत्रकारों से वार्ता करते हुए भोपाल चौधरी ने कहा कि देवप्रयाग में अलकनंदा और भागीदारी मिलकर गंगा बनाती है, लेकिन आज टीएचडीसी बांध के कारण भागीरथी आज पूरी तरह से सुख चुकी है। जिससे देवप्रयाग में देश-विदेश से पहुंचने वाले श्रद्धालु भी मायूस होकर लौट रहे हैं। कहा कि भागीरथी में तमाम जलजीव भी तड़प कर मर गए हैं उन्होंने बताया कि इस मामले को लेकर उन्होंने जगतगुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सहित जल पुरुष राजेंद्र सिंह से मामले को लेकर वार्ता हुई है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार जल्द से जल्द भागीदारी में पानी नहीं छोड़ती है तो वह जल समाधि लेने के लिए बाध्य होंगे। इस मौके पर छात्र संघ के उपाध्यक्ष रूपेश नेगी, मंयक बहुगुणा सहित आदि मौजूद थे।

मांगों को लेकर छात्रों का धरना रहा जारी

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल केन्द्रीय विवि में बुधवार को नियुक्तियों में हो रही गड़बड़ियों, विवि द्वारा फीस वृद्धि किए जाने, पीएचडी प्रवेश परीक्षा में कथित धांधली के विरोध को लेकर छात्रों का धरना जारी है। बारिश के बावजूद भी विवि के प्रशासनिक भवन के मुख्य गेट पर छात्र धरने में डटे रहें। छात्रों ने मांगें पूरी होने तक धरना जारी रखने का ऐलान किया है। गढ़वाल विवि के छात्रसंघ अध्यक्ष सुधांशु थपलियाल ने कहा कि विवि द्वारा छात्रों की फीस में वृद्धि की जा रही है। जिसके चलते पहाड़ के गरीब घरों के छात्रों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। कहा विवि प्रशासन छात्रों की फीस में वृद्धि कर छात्रों के शिक्षा के अधिकारों का हनन कर रहा है। आरोप लगाया कि प्रति कुलपति का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी उन्हें पद पर बने रहने दिया जा रहा जोकि नियम विरुद्ध है। कहा कि विवि में दो नई बसें आ गई हैं। लेकिन उनका संचालन नहीं किया जा रहा है। इस कारण विवि के चौरास परिसर से बिड़ला परिसर तक छात्रों को पैदल ही आना पड़ रहा है। विवि के पास कुल चार बसें हैं। जिनमें से केवल दो ही बसें संचालित हो रही हैं। उन्होंने विवि प्रशासन से जल्द से जल्द विवि के प्रतिकुलपति को पद से हटाने, फीस में वृद्धि न किए जाने, दो नई बसों का संचालन करने, पीएचडी प्रवेश परीक्षा की जांच करने की मांग की।

सचिवालय सहायकों को तत्काल मिले एसीपी का लाभ

देहरादून। उत्तराखंड सचिवालय संघ ने सीएम पुष्कर सिंह धामी से सचिवालय में बुधवार को मुलाकात कर सचिवालय सहायकों को एसीपी का लाभ देने की मांग की। सीएम के समक्ष अपना पक्ष रखा। इसी के साथ संघ के शपथ ग्रहण समारोह में सीएम की ओर से दिए गए सभी आश्वासनों के पूरा होने पर आभार जताया। सीएम का सम्मान समारोह आयोजित करने को समय मांगा। सचिवालय में मुलाकात के दौरान अध्यक्ष सुनील लखेड़ा ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह में सीएम के समक्ष जो भी मांगे उठाई गई थी, वे सभी पूरी हो गई हैं। ये पहला मौका है, जब सरकार ने संघ के अनुरोध पर एक साथ सभी प्रमुख मांगों को पूरा कर दिया हो। अब कर्मचारियों को बिना वेतन कटौती के बाल्य देखभाल अवकाश का लाभ मिल रहा है। सचिवालय अधिकारी कर्मचारी कल्याण कोष के लिए 25 लाख रुपए जारी किए गए। 300 दिन का उपार्जित अवकाश अर्जित करने के बाद भी एक जनवरी और एक जुलाई को अर्जित अवकाश 31 दिसंबर तक कभी भी उपयोग करने की मंजूरी दी गई।

महासचिव राकेश जोशी ने कहा कि सचिवालय परिसर में पैथोलॉजी ब्लड कलेक्शन सेंटर की स्थापना की गई है। पार्किंग का निर्माण कराया जा रहा है। नए भवन का निर्माण को स्वीकृति दी गई। सचिवालय आवासीय कालोनी से सचिवालय तक ई बस सेवा शुरू की गई। इन तमाम मांगों के पूरा होने पर कर्मचारी मुख्यमंत्री को धन्यवाद देना चाहते हैं। इसके लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। वरिष्ठ उपाध्यक्ष जीतमणि पैन्यूली ने बताया कि सीएम के समक्ष सचिवालय सहायकों को एसीपी का लाभ देने की मांग रखी गई। आश्वासन दिया गया कि अगली कैबिनेट में इस प्रस्ताव को लाया जाएगा। संघ ने मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव कार्मिक समेत अन्य विभागीय सचिवों का भी आभार जताया।

ठाकुरपुर के ग्रामीणों ने सरकारी जमीन को कब्जाने का आरोप लगाया

देहरादून। तहसील विकासनगर स्थित ठाकुरपुर गांव के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को कलक्ट्रेट पहुंचकर कर डीएम को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल ने कुछ लोगों पर करोड़ों रुपये की सरकारी जमीन को कब्जाने का आरोप लगाया है। एसडीएम सदर के माध्यम से डीएम को ज्ञापन भेजकर कब्जा करने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र पंचायत सदस्य मंजू नेगी ने बताया कि ठाकुरपुर ग्राम पंचायत के लक्ष्मीपुर के पास सरकारी जमीन खाली पड़ी हुई है। यहां करीब 80 बीघा जमीन पर भू माफिया की नजर लगी हुई है, माफिया जमीन को कब्जा रहे हैं, इसको को लेकर उनका गांवों वालों के साथ कई भी विवाद हो चुका है। उन्होंने इस मामले में कार्रवाई की मांग की है।

हाथरस हादसे पर जमीयत ने दुख जताया

देहरादून। हाथरस के रतिभानपुर में सत्संग के समापन पर मची भगदड़ में बड़ी संख्या में लोगों की मौत पर जमीयत उलेमा ए हिंद उत्तराखंड ने गहरा दुख जताया है। प्रदेश अध्यक्ष मौलाना हुसैन अहमद कासमी और प्रदेश महामंत्री मौलाना शराफत कासमी ने कहा कि यह हादसा अत्यंत हृदय विदारक है। हादसे में 122 लोगों ने जान गंवाई है। जमीयत दुख की इस घड़ी में मृतकों के परिजनों के साथ खड़ी है।

संपादकीय

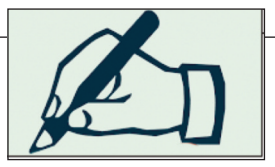

'भोले बाबा' का सत्संग सामूहिक मौत

उप्र के हाथरस जिले में कथित 'भोले बाबा' का सत्संग सामूहिक मौत में तबदील हो गया। सत्संग एक स्वयंभू बाबा का था, जिनके श्रद्धालुओं में मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक, अफसर भी शामिल हैं। हाथरस जिले के सत्संग में तब भगदड़ मच गई, जब गरीब, आम आदमी, महिलाएं आदि भक्त 'भोले बाबा' के पांव छूना चाहते थे। वह आस्था थी या धर्मान्धता थी, हम इस पर टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन एक औसत इनसान 'भगवान' नहीं हो सकता। सत्संग की भीड़ में बाबा का आशीर्वाद लेने की होड़ लगी थी। वह होड़ ही भगदड़ में तबदील हो गई। वहां कुछ फिसलन थी, गड्ढा था, लिहाजा लोग फिसल कर एक के ऊपर एक गिरने लगे। वे आपस में रौंद भी रहे थे। भीड़ में इतनी हड़बड़ी थी कि लोगों ने इनसानों को ही कुचल दिया। अंततः सत्संग 121 मौतों के साथ त्रासदी में बदल गया। करीब 35 घायल हो गए और 20 लापता बताए गए हैं। ये आंकड़े ज्यादा भी हो सकते हैं। कितने घर अनाथ हो गए। कितने घरों की 'देवियां' नहीं रहीं। बताया गया है कि 108 महिलाओं की मौत हुई है। सवाल यह है कि क्या कथित 'भोले बाबा' और उनके सेवादार आयोजकों के खिलाफ 'गैर इरादतन हत्या' का केस दर्ज किया गया है अथवा कोई संभावना है? मुख्य सेवादार और कुछ अन्य पर प्राथमिकी तो दर्ज की गई है। प्राथमिकी में 'भोले बाबा' का नाम क्यों नहीं है? बताया जाता है कि करीब 1.25 लाख की भीड़ सत्संग में आई थी। दूसरा पक्ष 2.5 लाख की भीड़ का दावा कर रहा है। संख्या को लेकर राज्य के मुख्य सचिव, इलाके के आईजी, डीएम और एसडीएम आदि के अलग-अलग बयान हैं। सवाल हैं कि यदि स्थानीय प्रशासन ने सत्संग की अनुमति दी थी, तो क्या पर्याप्त बंदोबस्त देखे गए थे? जल, चिकित्सा, दवाई, डॉक्टर, एम्बुलेंस और प्रवेश-निकास दरवाजों आदि की व्यवस्था का निरीक्षण किया गया था? क्या पर्याप्त संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था? एडीजी ने दावा किया है कि मौके पर 40 पुलिस वाले थे। क्या इतनी भीड़ के लिए 40 पुलिस वाले पर्याप्त थे? क्या छोटे से गांव में भीड़ का सैलाब देखकर प्रशासन और पुलिस सतर्क नहीं हुए, लिहाजा बंदोबस्त नहीं किए जा सके। एसडीएम दफ्तर का कहना है कि 50 हजार की भीड़ बताई गई थी, लेकिन 80 हजार से ज्यादा लोग पहुंच गए। स्थानीय पुलिस का कहना है कि हमें कार्यक्रम का जो पत्र मिला था, उसमें भीड़ का कॉलम खाली था। राज्य के सर्वोच्च अधिकारी मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के बयान कुछ और ही हैं। प्रशासन के स्तर पर ये विरोधाभास क्यों हैं? आखिर किसकी जवाबदेही और जिम्मेदारी है? ऐसे धार्मिक और बाबाओं के आयोजनों में लोग आस्था और कष्टनिवारण की भावना से आते हैं। बेशक धर्मगुरु हों, सामाजिक नेता हों, प्रभावी लोग या आयोजक, हजारों-लाखों की भीड़ जुटा कर उन्हें उनके ही हाल पर छोड़ देते हैं। सरकारें और प्रशासन भी इन कथित बाबाओं पर हाथ नहीं डालते। कोरोना महामारी के दौरान इसी 'भोले बाबा' ने उप्र के फर्रुखाबाद में सत्संग किया था। उसमें भी खूब भीड़ जुटाई गई थी। सरकार और प्रशासन ने उस सत्संग की इजाजत कैसे दे दी थी? घटनास्थल का दृश्य इतना भयावह, हृदयविदारक, विचलित करने वाला था कि एक पुलिस कर्मी रवि यादव को दिल का दौरा पड़ा और उनकी मौत हो गई।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

भारी बारिश के बीच रानीधारा सड़क पुनर्निर्माण को धरना रहा जारी

अल्मोड़ा। रानीधारा सड़क पुनर्निर्माण संघर्ष समिति का धरना बुधवार को बारिश के बीच भी जारी रहा। 12 वे दिन धरने में साई मंदिर से सेवा सदन तक मार्ग का पुनर्निर्माण व रानीधारा मार्ग में सीवर लाइन की एसआईटी जांच को लेकर नारे लगाए। संघर्ष समिति ने 12 वे दिन के धरने में कहा कि सीवर लाइन, पेयजल लाइन, मार्ग सुधारीकरण को कार्यदायी संस्था नगरपालिका व लोनिवि को आपस में सामंजस्य बैठकर ही इस मार्ग में सड़क के पुनर्निर्माण करना चाहिए, क्योंकि इस मार्ग पर विभिन्न विभागों से हुई वार्ता से संघर्ष समिति के संज्ञान में आया कि इस मार्ग में पेयजल की लाइन का कार्य होना है, सीवर लाइन के नीचे पाइपलाइन बिछी हुई है, उसके ऊपर सीवर लाइन का निर्माण हुआ है, यदि सीवर लाइन के नीचे बिछी पाइप लाइन को नुकसान होता है तो बिना बुलाए ही मुसीबत आ जाएगी। 12 वे दिन के धरने में विनय किरौला, सुमित नज्जौन, नरेंद्र नेगी, दीप चंद्र बिष्ट, शम्भू दत्त बिष्ट, बीना पंत, दीपक बिष्ट, सुजीत टम्टा, हिमांशु पंत, पवन पंत, राहुल पंत, अर्चना कोठारी, अर्चना पंत, ज्योति पाण्डे, तनुजा पंत, डिम्पल जोशी, कमला द्रमवाल, मीनू पंत, नीमा पंत आदि मौजूद रहे।

बच्चे पहुँच गए स्कूल, तब आया छुट्टी का आदेश

अल्मोड़ा । जनपद में भारी बारिश के अलर्ट के चलते जिलाधिकारी विनीत तोमर के निर्देशानुसार बुधवार को जिले के सभी शासकीय, अशासकीय, अर्धसरकारी विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में कक्षा 1 से 12 तक के बच्चों का अवकाश घोषित किया गया था। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए थे कि उक्त विद्यालयों में समस्त स्टाफ उपस्थित रहेंगे। मंगलवार दोपहर बाद से अल्मोड़ा जिले में लगातार बारिश हो रही है। इससे जहां तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, वहीं लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है।

तेज बारिश की चेतावनी को देखते हुए जिलाधिकारी विनीत तोमर ने बुधवार को स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों की छुट्टी का आदेश जारी कर दिया। लेकिन सुबह जब तक यह आदेश सर्कुलेट हुआ, तब तक अनेक स्कूलों में बच्चे पहुंच चुके थे, वहीं कुछ बच्चे स्कूल के लिए निकल चुके थे। इससे बच्चों एवं अभिभावकों को फजीहत झेलनी पड़ी वहीं, प्रशासन और शिक्षा विभाग में समन्वय की कमी दिखाई दी।

संक्षिप्त खबरें

बारिश से पौड़ी की 5 ग्रामीण सड़कें बंद

पौड़ी। पौड़ी मुख्यालय के साथ ही जिले के विभिन्न हिस्सों में बुधवार को रुक-रुक कर बारिश होती रही। जिले में बारिश के कारण पांच ग्रामीण सड़कें अवरुद्ध हुई। सड़कें खोलने के लिए लोनिवि ने जेसीबी लगाई है। जिले की तहसील लैंसडौन क्षेत्र में सबसे अधिक 38 एमएम बारिश रिकार्ड की गई। जबकि कोटद्वार तहसील क्षेत्र में भी 28 एमएम बारिश हुई। चाकीसैंण तहसील क्षेत्र में 15 एमएम तो यमकेश्वर में 10 एमएम बारिश हुई। बारिश के कारण सड़कों पर जगह-जगह मलबा भी आ गया। जो सड़कें बुधवार को आवाजाही के लिए बंद रही उनमें गैंडखाल-आमसैंण, छिनखाल-कमेडा, नैनीडांडा -शंकरपुर, शंकरपुर-बैडहाट और भदोली सड़क शामिल है।

मानचित्रकार नियमानुसार बनाएं नक्शे : एडीएम

पौड़ी। डीएम के निर्देशों पर बुधवार को जिला विकास प्राधिकरण में लंबित भवनों के नक्शों को लेकर एडीएम ने शिकायतों को सुना। जिला सभागार में आयोजित बैठक में लोगों ने नक्शों को लेकर अपनी समस्याएं बताईं। जिनका संज्ञान लेते हुए एडीएम ईला गिरी ने प्राधिकरण के सहायक अभियंता को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। मानचित्रकारों से भी कहा गया कि वे भवनों के नक्शे मास्टर प्लान के तहत नियमानुसार बनाएं ताकि इसमें के किसी तरह की बाद में परेशानी न हो और लोगों को भी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। प्राधिकरण के सहायक अभियंता रणवीर सिंह ने मानत्रिकारों से कहा कि जितने भी पिछले लंबित प्रकरण हैं उनका समाधान समय से करवा दें। बैठक में प्राधिकरण के सहायक मनीष रावत, प्राधिकरण टेक्निकल मुकेश टम्टा और मानचित्रकार राजदीप रावत के साथ ही आवेदक विनोद चंद्र, राजेश कंडारी, विनोद चौफीन,अर्जुन सिंह आदि मौजूद रहे।

हादरस हादसे के मृतकों की आत्मशांति को किया दीपदान

हरिद्वार। श्रीअखंड परशुराम अखाड़े की ओर से अग्रसेन घाट पर गंगा में दीपदान कर हाथरस में सत्संग के दौरान दुर्घटना में मारे गए लोगों की आत्मशांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की गई। श्रीअखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक के संयोजन में इस कार्यक्रम में अखाड़े के कार्यकर्ताओं और संतों ने भाग लिया। पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि हाथरस की घटना बेहद दुखद है। शासन प्रशासन को आयोजन स्थल का जायजा लेने और भीड़ का आंकलन करने के बाद ही आयोजन की अनुमति देनी चाहिए थी। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार से मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा और घायलों के उपचार के लिए बेहतर चिकित्सा की व्यवस्था कराने की मांग की।

अखाड़े की दुकान को अपनी बताकर बेचा, केस दर्ज

हरिद्वार। निर्मला छावनी में अखाड़े की दुकान को अपनी बताकर एक युवक ने महिला से 12.52 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर ली। ज्वालापुर पुलिस ने शिकायत पर बुधवार को मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ज्वालापुर इंस्पेक्टर रमेश तनवार के मुताबिक देवतान शिव मंदिर मोहल्ला ज्वालापुर निवासी रजनी देवी पत्नी रोहित सोनी ने शिकायत कर बताया कि उन्होंने निर्मला छावनी की एक दुकान 17 मई को नरेंद्र कुमार निवासी ब्रह्मपुरी से खरीदी थी। इसके लिए उन्होंने नरेंद्र के बताए अनुसार 12.52 लाख रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किए। तभी दुकान की रजिस्ट्री करा ली गई। रजिस्ट्री के बाद नरेंद्र कुमार ने तीन दिन का समय मांगा। 19 मई को जब महिला दुकान पर पहुंची तो ताला देख हैरान हो गई। पता चला कि दुकान अखाड़े की है और अखाड़े ने ताला लगा दिया।

ज्वालापुर में 40 अतिक्रमण के खिलाफ चला अभियान

हरिद्वार। नगर निगम और पुलिस की टीम ने बुधवार को आर्यनगर चौक से सिंहद्वार मार्ग को जाने वाले मार्ग पर 40 अस्थायी अतिक्रमण हटाए। टीम ने अतिक्रमण करने वालों का सामान भी जब्त किया। नगर निगम और पुलिस प्रशासन की टीम अतिक्रकमण के खिलाफ लगातार कार्यवाही कर रही है। मंगलवार को पुलिस और नगर निगम की टीम ने ज्वालापुर कोतवाली से प्रेमनगर आश्रम तक 50 अतिक्रमण हटाए थे। बुधवार को टीम ने ज्वालापुर सीओ शांतनु पराशर के नेतृत्व में अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही की।

मारपीट करने पर बजरंग दल के नेता समेत 20 के खिलाफ केस दर्ज

हरिद्वार। शहर कोतवाली पुलिस ने मारपीट के मामले में बजरंग दल के नेता समेत 20 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि टैक्सी-मैक्सी केव वेलफेयर एसोसिएशन कार्यालय के पास बैठे युवक पर धारदार हथियार और लाठी-डंडों से हमला किया गया।इंस्पेक्टर कुंदन सिंह राणा के मुताबिक ब्रह्मपुरी निवासी कन्हैया झा ने शिकायत कर बताया कि चंडीघाट चौक के पास से नजीबाबाद चलने वाली गाड़ियों की ओम शनि टैक्सी मैक्सी केव वेलफेयर एसोसिएशन नाम से यूनियन है। यूनियन में धर्मेंद्र के अध्यक्ष बनने के बाद से अभिषेक निवासी घासमंडी ज्वालापुर, साजन बजरंगी निवासी कुम्हार घड़ा कनखल, प्रमोद उर्फ अंगद निवासी पहाड़ी बाजार कनखल, गोपाल निवासी बैरागी कैंप कनखल, शिवम बिष्ट निवासी कनखल, बजरंग दल का नेता नवीन तेश्वर निवासी सतीघाट कनखल, प्रेम गांधी निवासी नाथ नगर ज्वालापुर रंजिश रखते हैं।

शंकराचार्य से मुलाकात कर धर्म संसद का समर्थन और सहयोग मांगा

हरिद्वार। शिवशक्ति धाम डासना के पीठाधीश्वर और जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी यतिनरसिंहानंद गिरी ने जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से विश्व धर्म संसद का समर्थन करने और सहयोग करने आग्रह किया है। बुधवार को श्री परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने बताया कि स्वामी यतिनारसिंहानंद ने धर्म संसद के मुख्य संयोजक डॉ. उदिता त्यागी और सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित पवन कृष्ण शास्त्री के साथ जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से कनखल मठ पहुंच कर मुलाकात की और शंकराचार्य का आशीर्वाद लिया।

पेयजल आपूर्ति बहाल करने की मांग की

हरिद्वार। भाजपा पदाधिकारियों ने बुधवार को अधिकारियों से मिलकर उत्तरी हरिद्वार में जल्द जलापूर्ति बहाल करने की मांग की। चेतावनी दी कि जल्द पेयजल आपूर्ति शुरू नहीं की गई तो पेयजल मंत्री से मुलाकात कर जल संस्थान की कार्यशैली से अवगत कराया जाएगा। भाजपा मण्डल अध्यक्ष तरुण नैय्यर ने कहा कि अधिकारियों ने शाम तक जलापूर्ति बहाल करने का आश्वासन दिया है। ऐसा नहीं होने पर बड़े अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। मण्डल महामंत्री देवेश ममगाई ने कहा कि जलापूर्ति शुरू होने तक जनता को टैंकर से जल उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर प्रिंस शर्मा, अमन ममगाई, उदयवीर, सच्चिदानंद भट्ट, कांता प्रसाद, सुनील वर्मा, आकाश शर्मा आदि शामिल रहे।

यूपीसीएल : कैपेसिटर बैंक की स्थापना से अब वोल्टेज और पॉवर फैक्टर की गुणवत्ता में होगा सुधार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राज्य के बिजली उपभोक्ताओं को अब बिजली की समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा क्योंकि इसके लिए यूपीसीएल ने उठाए हैं बेहद कारगर कदम।उत्तराखण्ड प्रदेश की विषम भौगोलिक संरचना और मौसम की विपरित परिस्थतियों में विद्युत वितरण तंत्र को मजबूती देने के लिये यूपीसीएल द्वारा समय-समय पर आधुनिक तकनीक पर आधारित उपकरणों का इस्तेमाल किया जता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों एवं ऊर्जा क्षेत्र को ओर अधिक मजबूत बनाने के लिए यूपीसीएल हर सम्भव प्रयास कर रहा है। चूँकि प्रदेश भर में कुछ स्थानों पर खराब पॉवर फैक्टर और मुख्यतः पहाड़ी क्षेत्रों में लम्बे स्थानों के चलते कम वोल्टेज की समस्या बनी रहती है जिससे विद्युत आपूर्ति की स्थिति खराब होने की आशंका रहती है। इसलिए वर्तमान में यूपीसीएल द्वारा प्रदेश भर में कुल 61 नग 33/11 के०वी० उपसंस्थानों के कुल 101 नग परिवर्तकों के लिये कैपेसिटर बैंक की स्थापना के लिए योजना बनायी गई है। पावर सिस्टम नेटवर्क में कैपेसिटर बैंक की स्थापना से विद्युत वितरण प्रणाली में एक नया आयाम उत्तराखंड में स्थापित हो रहा है।

यूपीसीएल द्वारा प्रदेश भर में कैपेसिटर बैंक की स्थापना का कार्य मार्च 2025 तक पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है तथा योजना के सफल क्रियान्वयन होने से उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में और सुधार आयेगा साथ ही वोल्टेज की गुणवत्ता में सुधार होने से प्रदेश में सिंचाई एवं पेयजल परियोजना की दक्षता में भी वृद्धि होगी।

कैपेसिटर बैंक की स्थापना से उपभोक्ताओं को मिलने वाले फायदे फायदे

* बिजली उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज की समस्या से निजात मिलेगा।* पॉवर फैक्टर (P.F.) बेहतर होगा।* Technical Losses कम करने में मदद मिलेगी।* वितरण तंत्र और अधिक सुदृढ़ होगा तथा आउटेज में कमी आयेगी।* Line Losses में कमी आयेगी।* लाईनों में फाल्ट की समस्या से निजात मिलेगा।* परिवर्तकों के दबाव को कम किया जा सकेगा।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डायरिया से बचाव के लिए घर-घर जाकर लोगों को जागरूक किया जाए : डीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली। सघन डायरिया नियंत्रण पखवाडा के प्रभावी क्रियान्वयन, परिवार नियोजन और 15वें वित्त आयोग की संस्तुति पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उपकेद्रों को उपकरण एवं सामग्री वितरण हेतु बुधवार को जिलाधिकारी हिमांशु खुराना की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय समन्वय समिति की बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डायरिया से बचाव के लिए घर-घर जाकर लोगों को जागरूक किया जाए। आशा के माध्यम से शून्य से 05 साल के बच्चों को ओआरएस और जिंक टेबलेट उपलब्ध कराई जाए। विद्यालयों में विशेष फोकस करते हुए डायरिया से बचाव तथा रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाए। साथ ही सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। ताकि संचारी रोगों से लोगों को बचाया जा सके।

स्वास्थ्य उपकरणों के वितरण हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उप केद्रों के चयन हेतु जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि दूरस्थ क्षेत्र के स्वास्थ्य उपक्रेदों को प्राथमिकता पर रखते हुए स्वास्थ्य उपकरणों का वितरण किया जाए। परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत 11 से 24 जुलाई तक आयोजित होने वाले जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का प्रचार प्रसार किया जाए।

प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता ने बताया कि डायरिया नियंत्रण कार्यक्रम 01 जुलाई से 31 अगस्त तक चलाया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में 30916 बच्चों को ओआरएस और जिंक टेबलेट वितरण का लक्ष्य रखा गया है। परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत 11 से 24 जुलाई तक नसबंदी शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 11 जुलाई को दशोली व गैरसैंण, 12 जुलाई को कर्णप्रयाग, 13 जुलाई को थराली, 15 जुलाई को जोशीमठ, 18 जुलाई को देवाल, 19 जुलाई को पोखरी, 20 जुलाई को कर्णप्रयाग, 22 जुलाई को नारायणबगड़, 23 जुलाई को घाट और 24 जुलाई को जिला चिकित्सालय में नसबंदी शिविर लगाए जाएंगे। 15वें वित्त आयोग की संस्तुति के क्रम में जनपद के 04 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 30 स्वास्थ्य उपकेंद्रों का निर्धारित मानक के आधार पर समिति के माध्यम से चयन किया जाना है। इन स्वास्थ्य केंद्रों को लैब संबधी उपकरण वितरण किए जाएंगे।

बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, मुख्य कोषाधिकारी मामूर जहॉ, मुख्य शिक्षा अधिकारी कुलदीप गैरोला, ईओ नगर पालिका पीएस नेगी, स्वास्थ्य विभाग से डीपीएम नरेन्द्र सिंह, सीपीएचसी समन्वयक शिवम जोशी, गुणवत्ता सलाहकार खीम सिंह, वित्तीय प्रबंधक हीरा सिंह, पीसीपीएनडीटी समन्वयक संदीप कंडारी आदि उपस्थित थे।

मंत्री सतपाल महाराज ने की यूपी के सीएम योगी से शिष्टाचार भेंट

देहरादून। प्रदेश के पर्यटन, ग्रामीण निर्माण, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, धर्मस्व, संस्कृति एवं जलागम मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। प्रदेश के पर्यटन, ग्रामीण निर्माण, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, धर्मस्व, संस्कृति एवं जलागम मंत्री सतपाल महाराज ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड बीच सड़क, सिंचाई, पर्यटन, पंचायत और संस्कृति से संबंधित अनेक विषयों पर चर्चा करने के साथ-साथ आपसी सहयोग की भी बात कही।

राज्यपाल ने किया निर्वाचन विभाग पुस्तिका का विमोचन

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने बुधवार को राजभवन में निर्वाचन विभाग, उत्तराखण्ड की पुस्तक 'उत्तराखंड लोकसभा चुनाव-2024 का विमोचन किया। इस पुस्तक में निर्वाचन विभाग द्वारा लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों को सम्मिलित किया गया है। पुस्तक का संपादन राज्य नोडल अधिकारी डॉक्यूमेंटेशन डॉ आनंद भारद्वाज, सह नोडल डॉ एमएस सजवान और सह नोडल गरिमा मिश्रा द्वारा किया गया है। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार 'कोई भी मतदाता न छूटे की परिकल्पना को साकार करने के लिए मतदाता जागरूकता अभियान में उत्तराखंड के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं विभागों ने अपना पूर्ण सहयोग दिया। उन्होंने बताया कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 65 लाख से अधिक मतदाताओं ने शपथ ली साथ ही अधिक से अधिक मतदान के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। जिसमें 32 लाख मतदाताओं से व्हाट्सएप के माध्यम से पंहुच बनाई गई। राज्यपाल ने इस पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि यह डॉक्यूमेंटेशन का बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने कहा कि पहली बार इस तरह की पहल की गई है, पूरे निर्वाचन प्रक्रिया में अपनाई जाने वाली क्रियाकलापों को अंकित और डॉक्यूमेंट किया गया है। इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ विजय कुमार जोगदंडे, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी मुक्ता मिश्रा, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास, डॉ आनंद भारद्वाज, डॉ एमएस सजवान, गरिमा मिश्रा मौजूद रहे।

सचिवालय घेराव करेंगे राज्य कर कर्मचारी

देहरादून। राज्य कर कर्मचारी सोमवार को सचिवालय का घेराव करेंगे। पदों में हुई कटौती से नाराज कर्मचारियों ने बुधवार को राज्य कर मुख्यालय में हुई बैठक के दौरान यह निर्णय लिया। उत्तराखण्ड राज्य कर कर्मचारी संयुक्त मोर्चा पिछले तीन दिनों से कर कार्यालयों में धरना प्रदर्शन कर आंदोलन कर रहा है। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जगमोहन सिंह नेगी ने बताया कि विभागीय पुनर्गठन के दौरान राज्य कर कर्मचारियों के 243 पद समाप्त कर दिए गए हैं। कर्मचारियों ने इस संदर्भ में मुख्यालय व शासन के अफसरों से इस संदर्भ में सही जानकारी मांगी तो कोई भी इस संदर्भ में कुछ कहने को राजी नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक विभाग के 243 पदों को बहाल नहीं कर दिया जाता उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य कर विभाग के सभी कर्मचारी सोमवार को सचिवालय का घेराव भी करेंगे। इधर बुधवार को भी कर्मचारियों ने अपने सभी कार्यालयों में धरना एवं प्रदर्शन किया। इस दौरान संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष जगमोहन नेगी, महासचिव अरविंद जोशी, भरत राणा, कैलाश बिष्ट, सुनील कुमार, विपिन डंगवाल, राजेन्द्र जोशी, नैन सिंह पंवार, रूबी ममगांई, बृजेश सिंह, अंकित चौहान, दीपक शर्मा, अनुज जैन, भूपेन्द्र भंडारी, राकेश बिष्ट के साथ ही अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

बाल तस्करी एक गंभीर समस्या है : विनोद कपरवाण

चमोली। उत्तराखंड बाल संरक्षण आयोग के सदस्य विनोद कपरवाण की अध्यक्षता में बाल तस्करी से आजादी 2.0 अभियान को लेकर बार संघ के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बाल तस्करी, चाइल्ड हेल्पलाइन, खोए हुए बच्चों व निराश्रित बच्चों की शिक्षा पर विस्तृत चर्चा की गयी। उन्होंने कहा कि बाल तस्करी एक गंभीर समस्या है बच्चे देश का भविष्य है। उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। समाज में चेतना जगाने के लिए राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग ने बाल तस्करी से आजादी अभियान चलाया है। जिसमें प्रदेश के 7 जिलों को चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा कि चमोली जनपद बाल तस्करी, बाल श्रम से मुक्त हो इसके लिए जनपद के जागरूक नागरिक व जनप्रतिनिधि सभी प्रयासरत रहें। बाल तस्करी रोकने के लिए अभिभावकों और समाज को सजक व जागरूक रहने की आवश्यकता है। उन्होंने बाल तस्करी, किशोर न्याय के लिए पुलिस व अन्य संबंधित विभागों को समन्वय के साथ काम करें। कहा कि कहीं भी बाल तस्करी या बाल शोषण, बाल श्रम व बाल विवाह, बच्चों के खोने, घर नहीं आने संबंधी आदि स्थितियों में चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर 1098 पर सम्पर्क करें। इस दौरान श्रम अधिकारी के न होने पर भी नाराजगी जताई। इस दौरान पीडी आनन्द सिंह,सीओ अमित सैनी, डीएसडीओ धनंजय लिंगवाल हिमाद संस्था के उमाशंकर बिष्ट सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

छतिग्रस्त रिठोला - बिनोला पुलिया दे रहा है दुर्घटना को न्योता

चमोली। गैरसैंण विकासखंड़ के न्याय पंचायत देवलकोट के पंय्या गांव में रिठोला- बिनोला गधेर में बनाई गई पैदल पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई है। इससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य और पूर्व प्रधान ग्राम पंय्या कलम कोहली का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में ब्लॉक कार्यालय को अवगत कराया, लेकिन काम नहीं हुआ। बताया कि पैदल पुल क्षतिग्रस्त होने के कारण राइंका देवलकोट में पढ़ने वाले छात्र- छात्राओं को भी आने जाने में परेशानी हो रही है।

बड़कोट के लोग पानी के लिए करेंगे भूख हड़ताल

पौड़ी। बड़कोट नगर पालिका में भीषण पेयजल संकट से निजात पाने के लिए बुधवार को तहसील परिसर में क्रमिक धरना जारी रहा। 6 जुलाई तक पेयजल पम्पिंग योजना की वित्तीय स्वीकृत नहीं मिलने पर हिन्दू जागृति संगठन के अध्यक्ष सन्त केशवगिरी महाराज ने भूख हड़ताल का ऐलान किया है। वहीं आन्दोलनकारियों ने अनिश्चित कालीन धरने की चेतावनी दी है। बुधवार को आंदोलनकारियों ने धरना स्थल पर नारेबाजी करते हुए नगरीय पेयजल पम्पिंग योजना की वित्तीय स्वीकृति की सरकार से मांग की गयी। यमुनोत्री धाम का मुख्य पड़ाव नगर पालिका बड़कोट विगत 4 माह से भीषण जल संकट से बड़े परेशान हैं। आन्दोलनकारियों का कहना है कि 6 जून से क्रमिक धरना चल रहा है और अगर जल्द पेयजल पम्पिंग योजना की वित्तीय स्वीकृति नहीं मिली तो 6 जुलाई शनिवार से अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा।उन्होंने कहा कि सरकार जनता की परेशानी को समझे व उग्र आन्दोल को होने से रोके अन्यथा उग्र आंदोलन किया जायेगा। नगरवासियों ने राज्य सरकार से जल्द चार सूत्रीय मांगों के निस्तारण की उम्मीद जताई है। इधर धरना स्थल पर हिन्दू जागृति संगठन के पदाधिकारियों ने अपना समर्थन देते हुए संगठन के अध्यक्ष संत केशवगिरी महाराज ने सरकार द्वारा बड़कोट पेयजल का मामला संज्ञान न लेने पर नाराजगी जताई। उन्होंने 6 जुलाई से भूख हड़ताल पर बैठने का ऐलान किया है। धरना स्थल पर नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष धनवीर रावत, जय हो ग्रुप संयोजक सुनील थपलियाल, सरपंच विजय रावत, भाजपा मंडल अध्यक्ष मीनाक्षी रौन्टा, पूर्व जिलाध्यक्ष भरत रावत, पूर्व महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कृष्णा राणा, मण्डल महामंत्री अमित रावत,जिलापंचायत सदस्य आनंद राणा, सोबेन्द्र सिंह विजय सिंह भक्त, पूर्ण सिंह रावत, प्रताप रावत, दिपेंद्र मिश्रवाण, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष विजयपाल रावत थे।

पौड़ी में प्राइमरी शिक्षकों के तबादलों की तैयारी

पौड़ी। जिले में बेसिक शिक्षकों के तबादलों की तैयारियां तकरीबन अंतिम चरण में है। इससे पूर्व एडीएम की अध्यक्षता में तबादला समिति की बैठक शिक्षकों के तबादलों को लेकर विस्तार से चर्चा हो चुकी है। ऑन लाइन पोर्टल पर शिक्षकों की सूची को अपलोड किए जाने की तैयारियां इन दिनों चल रही है। पोर्टल पर इससे पहले जिले में रिक्त पदों से लेकर पात्रता की सूची अपलोड कर दी गई थी। अब सुगम से दुर्गम, दुर्गम से सुगम, पति -पत्नी, आदि विभिन्न श्रेणियों के तबादलों की जद में आने वाले शिक्षकों की सूची भी ऑन लाइन कर दी जाएगी। पौड़ी के डीईओ बेसिक नागेंद्र बर्तवाल ने बताया कि समिति की बैठक के बाद तबादलों को लेकर सूची बनाई जा रही है। जिले में करीब साढ़े पांच सौ शिक्षक तबादलों के लिए पात्र हैं। अब शिक्षकों के नामों की सूची भी ऑनलाइन करने को लेकर काम हो रहा है। दो -तीन दिन के अंदर यह सूची ऑनलाइन कर दी जाएगी। इसके बाद तबादलों को लेकर एक सप्ताह के भीतर आपत्तियां भी मांगी जाएगी। इनका निस्तारण करते हुए शिक्षकों के तबादले कर दिए जाएंगे।